तापमान

अधिकतम 30.6 डिग्री

न्यूनतम 20.6 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

12 मंत्री गजेंद्र यादव ने झुलसे दीपक को दी 50 हजार की आर्थिक सहायता

13 छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने पारंपरिक खेलों में लिया भाग

न्यू

ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

गांजा बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे युवक को पुलिस ने पकड़ा

दुर्ग। मौहन नगर थाना अंतर्गत गांजा की बिक्री के लिए घूम रहे युवक को पुलिस ने पकड़ा। आरोपी धमधा रोड पुराना सब्जी मंडी शौचालय के पास पानी टंकी के बगल में मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने के लिये ग्राहक तलाश रहा था। सूचना पर पुलिस ने घटना स्थल की घेराबंदी की। संदेह के आधार पर उसे पकड़ा। आरोपी के पास से चाकू एवं मादक पदार्थ गांजा जब्त किया। आरोपी शुभम उर्फ तुरहा पिता रामजी तिवारी उम्र 23 साल निवासी सिकोला भाटा के विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया। आरोपीगण को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामले में विवेचना जारी है। पुलिस ने मामले में 2.53 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। कीमत 16 हजार आंकी गई है।

समोसे की चटनी पर बवाल, ड्राइवर से होटल संचालक ने की मारपीट

भिलाई। कैलाश नगर में समोसे के साथ चटनी मांगना एक ड्राइवर को भारी पड़ गया। मामूली बात पर समोसा सेंटर संचालक ने ग्राहक की डंडे से पिटाई कर दी। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित राजेश दुबे (52 वर्ष) सुंदर विहार फेस-1 कुरूद का रहने वाला है। रविवार दोपहर वह अपने साले के घर मदर टेरेसा नगर कैंप-1 से लौट रहा था। रास्ते में उसके दोस्त छोटू मोहम्मद खान और सदरूद्दीन अंसारी मिले। तीनों ने कैलाश नगर एकता चौक के पास स्थित राजू समोसा सेंटर में समोसे खाने का फैसला किया। खाने के दौरान जब राजेश ने दोबारा चटनी मांगी, तो संचालक राजू और उसके साथ काम करने वाले सप्लायर ब्वाय ने गुस्से में कह दिया कि दोबारा चटनी नहीं मिलेगी। बात बढ़ी तो दोनों ने मिलकर राजेश से मारपीट कर दी। मारपीट में राजेश के दाहिने गाल, हथेली और कमर में चोटें आईं। उसने जामुल थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

स्पा सेंटरों में देह व्यापार का खेल, जनवरी से अब तक टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका, डेनमार्क, कोरिया से 17 विदेशी पहुंचे, लेकिन कई नहीं लौटे

स्मृति नगर पुलिस चौकी अंतर्गत सबसे ज्यादा 40 स्पा सेंटर चल रहे, इसी क्षेत्र में सबसे अधिक विदेशी युवतियों के होने की आशंका

जेएम तांडी ⏭ भिलाई

भिलाई-दुर्ग में पिछले कुछ समय में देह व्यापार के मामले तेजी से बढ़े हैं। स्पॉ सेंटरों की आड़ में यह गोरखधंधा फलफूल रहा है। हरिभूमि की पड़ताल में इसका खुलासा हुआ है।

बता दें कि जनवरी 2025 से लेकर अक्टूबर माह तक 17 विदेशी युवतियां टूरिस्ट वीजा में दुर्ग जिले में आईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमेरिका, डेनमार्क, यूक्रेन, कोरिया, जर्मनी, जापान, थाईलैंड, मलेशिया और बैंकॉक से आए, लेकिन कई वापस नहीं लौटे। पुलिस को इनके लौटने की जानकारी भी नहीं दी गई। खास बात यह है कि इनके बारे में पुलिस के पास फिलहाल कोई जानकारी भी नहीं है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल को इस बारे में जानकारी दी गई, तो उन्होंने तत्काल ऐसे सारे टूरिस्ट वीजा में आए लोगों की जानकारी जुटाने के लिए थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है। साथ ही कार्रवाई करने का भी आदेश दिया है। बता दें कि इन देशों से आने वाली युवतियां मुख्य रूप से स्पा सेंटरों में सेवाएं दे रहीं हैं। इन स्पॉ सेंटरों की आड़ में देह व्यापार का कारोबार चल रहा है।

हरिभूमि पड़ताल

पिछले दिनों पुलिस की कार्रवाई से इसका खुलासा हुआ। बता दें कि स्मृतिनगर पुलिस चौकी क्षेत्र इन स्पा सेंटरों का हॉट सेंटर बना हुआ है, जहां 40 से ज्यादा स्पा संचालित हो रहे हैं। इनमें से कई में संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। पुलिस की खानापूर्ति के कारण इन स्पा सेंटरों में बेखौफ मसाज और अन्य कार्यों की आड़ में देह व्यापार का खेल चल रहा है।

स्पा सेंटरों की नहीं हो रही जांच देर रात 12 बजे तक रहते हैं खुले

टूरिस्ट वीजा पर स्पा सेंटर काम करने के लिए युवतियां, महिलाएं पहुंच रही हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक दस माह में 17 लोग पहुंचे हैं, जो यहां रहकर स्पा सेंटर में काम कर रही हैं। जिले में सबसे अधिक स्पा सेंटर स्मृति नगर पुलिस चौकी क्षेत्र में है, जहां कई विदेशी महिलाएं, युवतियां काम कर रही है, लेकिन इनकी सारी जानकारी स्मृति नगर पुलिस नहीं खंगाल रही है। सिर्फ यहां के स्पा सेंटरों में अवैध कारोबार करने की छूट दे रखा है। इस टूरिस्ट वीजा के बड़े खेल में कई बार वीजा समाप्त होने के बाद भी विदेशी युवतियां यहां रुकी रहती है मगर पुलिस सिर्फ खानापूर्ति करती है। स्पा सेंटर रात 12 बजे तक खुले रहते हैं। उक्त स्पा सेंटरों में स्मृति नगर चौकी के संरक्षण में बेखौफ अवैध कारोबार चल रहा है।

लगातार शिकायतों के चलते की जा रही जांच

एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि सुपेला स्थित एक्वा स्पा सेंटर में पुलिस ने दबिश दी थी, लेकिन यहां आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है। यह स्पा लंबे समय से चल रहा था। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों से भी पूछताछ की गई। एक्वा स्पा सुपेला थाना के नजदीक है। आरोप है कि इसे छापे की जानकारी पहले से मिल गई थी।

स्पा की आड़ में हो रहा था देह व्यापार

स्मृति नगर पुलिस चौकी में स्थित लोरेंजो स्पा और ली वेलनेस स्पा में दबिश दी गई थी। यहां स्पा की आड़ में देह व्यापार किया जा रहा था। स्पा से गौरव कोठारी, रचित दास, संतोष कुमार, अब्बास अली, पवन पाण्डेय, धनेश्वर सेन को पकड़ा।

अक्टूबर 2016 में हुई थी थाई महिला की मौत

पुलिस के मुताबिक बैंकॉक (थाईलैंड) की रहने वाली पुनरम 38 वर्ष की महिला बहन पविना और नैंसी के साथ टूरिस्ट वीजा पर इंडिया आई थी। वह अक्टूबर 2016 से भिलाई के वेद स्पा में काम कर रही थी और शांति नगर में किराए के मकान में बहन और सहेली के साथ रहती थी। उसे उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने पर निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। वहां उसके दो माह से गर्भवती होने के पता चला। पीड़ित की बहन ने बैंकॉक में परिजनों से इसके बारे में फोन पर बात की। फिर गर्भपात कराने पर सहमति बनी। ऑपरेशन के दौरान अधिक खून बहने से महिला की तबीयत बिगड़ गई। उपचार दौरान उसकी मौत हुई थी।

जानिए टूरिस्ट वीजा कब-कब विदेशी पहुंचे

पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक जनवरी में 4, मार्च में 1, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर में दो-दो विदेशी दुर्ग जिले में पहुंचे। इसमें अधिकांश स्मृतिनगर क्षेत्र में निवासरत हैं। बहरहाल पुलिस ऐसे सारे टूरिस्ट वीजा में आए लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

देर रात खुले रहते हैं स्पा सेंटर, जांच के नाम पर हो रही खानापूर्ति

स्मृति नगर पुलिस चौकी क्षेत्र के स्पा सेंटरों में अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लगाया गया है। देर रात तक स्पा सेंटर ओपन रहते है। खबर लगातार प्रकाशित होने के बाद पुलिस एक के बाद एक पर कार्रवाई कर संदिग्ध महिला पुरुष स्पा सेंटर से मिल रहें हैं। इसके अलावा आज भी कई स्पा सेंटर स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में हैं, लेकिन उसे जानबूझकर सामने नहीं लाया जा रहा है। ऐसा आरोप है कि दबिश से पहले उसकी जानकारी स्पा सेंटर वालों को हो जाती है। इस कारण कई बार विदेशी युवतियां पकड़ से बाहर रहती हैं।

जानकारी जुटाई जा रही है

टूरिस्ट वीजा पर यहां पहुंचने वालों की जानकारी जुटाई की जा रही है। वीजा समाप्त होने के बाद भी यहां रुकने वालों पर पुलिस कार्रवाई करेगी। स्पा सेंटरों पर पुलिस लगातार दबिश देकर कार्रवाई कर रही है। इसे लेकर पुलिस सजग है।

-विजय अग्रवाल, एसएसपी दुर्ग

शिक्षक नगर में बड़ी चोरी का खुलासा, सोने का बिस्किट सहित लाखों का माल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

दुर्ग कोतवाली पुलिस ने त्रिनयन एप की मदद से शिक्षक नगर में हुई बड़ी चोरी की गुत्थी सुलझा ली है। आरोपियों में तीन नाबालिग हैं, जिन्होंने संतराबाड़ी निवासी राखी कसेर पति गिरीश कसेर उम्र 50 वर्ष को उक्त चोरी का सामान बेचा था। पुलिस ने आरोपियों से 50 ग्राम के सोने का बिस्किट, 1 पीतल का कोपर, 1 पीतल का कलश, 1 कांसे का कलश, एक पीतल की टंकी सहित अन्य सामान बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में उमा शंकर पिता स्व. परमेश्वर दास पटैरिया उम्र 89 वर्ष ने शिकायत की थी। उमा शंकर ने बताया कि वे 11 से 17 अक्टूबर के मध्य घर में नहीं थे। कोई अज्ञात व्यक्ति घरे में खिड़की तरफ से जाली तोड़ कर घुसा। इसके बाद चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। त्रिनयन एप का उपयोग किया, जिसमें 3 अपचारी बालक रात्रि में चोरी करते नजर आए। तीनो को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हो गया। उन्होंने सामान राखी कसेर के पास बिक्री करना बताया। आरोपीया के पास से जाकर पूछताछ करने पर आरोपिया द्वारा माल मशरुका खरीदना स्वीकार किया। चोरी गए सामान की कुल कीमत 6.58 लाख रुपए आंकी गई है। मामला अजमानती अपराध होने से न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। विधि से संघर्षरत बालकों की पारिवारिक पृष्ठभूमि तैयार किया गया, जो बाल सप्रेक्षण गृह किशोर न्यायाबोर्ड भेजा गया।

गद्दा और पर्दा दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

■ सेक्टर 6 स्थित ए मार्केट में

सेक्टर-6 ए मार्केट में गद्दा-पर्दा की दुकान में अचानक आग लग गई। दुकान धुएं और लपटों से भर गई। आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन टीमें मौके पर पहुंची। जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक बीएसपी सेक्टर-6ए मार्केट स्थित विशाल जैन की गद्दा-पर्दा की दुकान में आग लगने की सूचना मिलते ही टीम को तत्काल रवाना किया गया। मौके पर पहुंचते ही फायरब्रिगेड कर्मियों ने बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। फायरब्रिगेड आग की तेज लपटों और घने धुएं के बीच दुकान के अंदर घुसे और लगातार पानी की बौछार करते हुए आग पर काबू पाने की कोशिश की। कुछ फायरब्रिगेड कर्मी दुकान के मुख्य द्वार से तो कुछ पीछे के हिस्से से पानी डालते रहे। जिससे आग को फैलने से रोका जा सका। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने चार गाड़ियों पानी की बौछार से आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। धुएं के कारण कई दुकानें अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ी। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि जिस तरह से आग तेजी से फैली, वह शॉर्ट सर्किट का मामला लग रहा है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

15 से अधिक फायरब्रिगेड के कर्मी मौजूद

रेस्क्यू ऑपरेशन में कुल 15 से अधिक फायरब्रिगेड कर्मी शामिल थे। उनकी त्वरित कार्रवाई से बड़ी अनहोनी टल गई। अगर आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो यह आसपास की अन्य दुकानों तक फैल सकती थी जिससे भारी नुकसान की आशंका थी। हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन दुकान में रखा हजारों का सामान जलकर खाक हो गया।

हरिभूमि पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

हरिभूमि

आवश्यकता है

भिलाई लोकेशन के लिए

- मार्केटिंग मैनेजर
- सीनियर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव
- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव

अनुभवी को प्राथमिकता

योग्यता - MBA

वेतन योग्यतानुसार

संपर्क करें : inhnewshr@gmail.com

8103888452, 9522283349

हरिभूमि | inh | पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर

सुमीत बाजार

सफलता की डोर पकड़िए – हमारे

बिजनेस पार्टनर बनिए

सुमीत ग्रुप दे रहा है सुनहरा भरोसेमंद अवसर

1 यदि आपके पास 1000 वर्ग फीट या उससे अधिक क्षेत्रफल वाली दुकान प्रमुख स्थान पर है, तो आप खोल सकते हैं अपना

सुमीत फ्रेंचाइजी स्टोर

2 भू-तल पर फर्निश्ड दुकान लीज पर देकर बन सकते हैं सुमीत के

रेवेन्यू शेयरिंग भागीदार

सुमीत बाजार छत्तीसगढ़ के हर जिला, तहसील और गाँव में अपना नेटवर्क तेजी से बढ़ा रहा है. आप भी इस विकास यात्रा का हिस्सा बनें!

अधिक जानने के लिये संपर्क करें

कॉल करें : 9109847900

ईमेल करें : franchise@sumeetbazaar.com

विजिट करें : सुमीत बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, पुजारी चैम्बर्स के सामने, रायपुर

अगले माह से कड़ाके की ठंड, मैत्रीबाग में वन्य प्राणियों के लिए होंगे विशेष इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

ठंडी का मौसम मैत्रीबाग के वन्य प्राणियों और पर्यटकों दोनों के लिए ही खुशनुमा होता है। सैलानियों को आकर्षित करने के लिए प्रबंधन ने शुरुआती तैयारी शुरु कर दी है। इस मौसम में रुटीन के साथ दो बड़े आयोजनों में हजारों पर्यटक जुटेंगे। वहीं वर्षांत में जानवरों को कड़ाके की ठंड से बचाने व्यापक प्रबंध भी किए जाएंगे।

बरसात के मौसम में चार महीने के बारिश के चलते बहुत कम पर्यटक यहां आते हैं। सर्दियों में मैत्रीबाग में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। इसकी वजह मौसम खुशगवार होने के साथ मौसमी फूलों की बहार अपने पूरे शबाब पर होती है और जानवरों तथा पक्षियों का उल्लास भी पर्यटकों को रोमांचित करता है। फिर वर्षांत यानी 31 दिसंबर को यहां न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए चालीस से पचास हजार पर्यटक यहां आते हैं। इसके बाद जब ठंडी अपने पूरे चरम पर होती है यानी फरवरी के प्रथम सप्ताह में भव्य फ्लावर शो में भी हजारों लोग जुटते हैं। इसे देखते हुए मैत्रीबाग प्रबंधन ने मैत्रीबाग को सवांरने के साथ वन्य प्राणियों की देखभाल भी बढ़ा दी है। प्रबंधन के मुताबिक अगले महीने के आखिर में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इसे देखते हुए जानवरों व परिंदों को ठंडी से बचाव के लिए इंतजाम किए जाने के निर्देश कर्मियों को दिए गए हैं। इसके तहत गर्माहट के लिए अलाव जलाने के साथ पक्षियों के कैज में चटाई भी लगाई जाएगी। हिरणों के बाड़े में अलाव जलाए जाएंगे वहीं भालू के कैज के पास हीटर रखा जाएगा। चिड़ियाघर में डेढ़ सौ हिरण और दो भालू हैं। इसी तरह के इंतजाम अन्य वन्य प्राणियों के इनक्लोजर और कैज के निकट भी किए जाएंगे।

बचाव के लिए जलाए जाएंगे अलाव, बीएसपी प्रबंधन ने शुरू की तैयारी

व्यवहार में बदलाव व डाइट में वृद्धि

मैत्रीबाग प्रभारी महाप्रबंधक डां. एनके जैन बताते हैं कि ठंडी के मौसम में प्रकृति में बदलाव से वन्य प्राणियों के व्यवहार में थोड़ा परिवर्तन आता है। गर्मी व बारिश में जहां पाचन के शिकायत होती है लेकिन सर्दियों के मौसम में डाइट बढ़ जाती है। इस मौसम में परिंदे व जानवर अधिक ऊर्जावान और रिलेक्स महसूस करते हैं। भालू शहद और खीरा आदि के साथ खिचड़ी दी जाती है। वहीं परिंदों को दाने आदि चोकर दिए जाते हैं। इस मौसम में हिरणों को पर्सिम घास खूब भाती है, जो सुपाच्य होती है। ठंडी में पर्यटकों की बढ़ने वाली संख्या को देखते हुए बरसाती खरपतवारों की सफाई के कराई जा रही है वहीं टायलेट की नियमित सफाई करने कहा गया है।

खबर संक्षेप

डॉ. परदेशीराम को विजय शंकर साक्षरता सम्मान

भिलाई। दुर्ग, बेमेतरा एवं बालोद जिलों में साक्षरता अभियान का सफल संचालन करने के लिए साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा को विजय शंकर चौबे सम्मान से सम्मानित किया गया। यह अभियान 1990 से प्रारंभ हुआ। बाद में दुर्ग से बालोद और बेमेतरा अलग होकर जिला बने। इन तीन जिलों में साक्षरता अभियान की सफलता में काम करने वाले समर्पित साक्षरता सेवियों का सम्मान साक्षरता मित्र मंच द्वारा जैन भवन सेक्टर 06 भिलाई नगर में किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा को भिलाई नगर परियोजना के सफल संचालन एवं प्रेरक लेखन के लिए कीर्तिशेष विजयशंकर चौबे सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि विजय शंकर चैबे भिलाई नगर परियोजना के अध्यक्ष थे। वे एडीशनल डाइरेक्टर जनरल पुलिस के पद से सेवा मुक्त हुए। विजय शंकर चैबे स्मृति सम्मान चैबे की अर्धांगिनी पुष्पा चौबे, सुपुत्र पुनीत चौबे, पुत्र-वधु श्वेता चौबे ने प्रदान किया। साक्षरता अभियान के निर्देशक रहे साक्षरता मंच के अध्यक्ष डीएन शर्मा ने प्रशस्ति वाचन करते हुए डॉ. परदेशीराम वर्मा के लेखकीय योगदान और मैदानी सहयोग को रेखांकित किया।

शिक्षक भर्ती साझा मंच के बैनर तले महाराजा चौक में दिया गया धरना

शिक्षकों के रिक्त पदों में भर्ती को लेकर निकाली रैली, मंत्री निवास के सामने प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शिक्षक भर्ती साझा मंच प्रांतीय समिति ने शिक्षकों के रिक्त पदों पर सभी विषयों को शामिल करते हुए अविलंब 57,000 शिक्षक भर्ती करने की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री निवास के पास प्रदर्शन किया। महाराजा चौक दुर्ग से शिक्षा मंत्री निवास तक रैली निकाल कर विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान शिक्षा मंत्री से सीधे बात करने की मांग रखी गई। वर्चुअल बात करने पर शिक्षक भर्ती साझा मंच द्वारा मांगों से अवगत कराया गया। इसमें प्रमुख रूप से सभी विषयों को शामिल कर 57,000 पदों पर शिक्षक भर्ती करने, इसी वित्तीय वर्ष में किया जाने, युक्तियुक्तकरण की नीति वापस लेने, 10,463 स्कूल को मर्ज करने की नीति वापस लेने, एक नया व्यापम कैलेंडर जारी करने, जिसमें शिक्षक भर्ती को परीक्षा तिथि के साथ स्थान देने की मांग की गई।

इसके अलावा व्यायाम शिक्षक की भर्ती प्राथमिक और हाई स्कूल दोनों स्तर पर करने, व्यायाम, कला शिक्षक प्रत्येक स्कूल में अनिवार्य करने मांगपत्र सौंपा। कला संकाय व्याख्याता में भर्ती 14 साल से नहीं होने, हिन्दी संस्कृत राजनीति, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र में भर्ती करने की मांग की गई।

मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रदर्शनकारियों से की ऑनलाइन चर्चा, दिया आश्वासन

मंत्री ने कहा- एक महीने के अंदर जारी हो जाएगा नोटिफिकेशन, पांच हजार शिक्षकों की होगी भर्ती

बातचीत करने पर शिक्षा मंत्री ने प्रदर्शनकारियों को जल्द ही 5000 शिक्षक भर्ती निकालने का आश्वासन दिया। शिक्षक भर्ती साझा मंच द्वारा बात रखी गई कि 5000 नही बल्कि पूरे 57,000 पदों पर शिक्षकों की भर्ती करनी होगी। 1 माह में भर्ती की नोटिफिकेशन न निकलने पर हम अधिक संख्या में महाआंदोलन की तैयारी करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में छात्र-युवा वर्ग, रिक्त पड़े हजारों शिक्षकों के पदों को न भरे जाने के चलते भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सिर्फ छात्र युवा ही नही बल्कि शिक्षा से जुड़े शिक्षाविद अभिभावक एवं तमाम शिक्षा प्रेमी इस बात से परेशान हैं कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में हजारों शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पद खाली पड़े हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए की गई अपील, सौंपा गया ज्ञापन

प्रदर्शनकारियों ने ककहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए। सिर्फ कागजों एवं फाइलों तक ये बातें रह गई हैं। जहां जरुरत है, अधिक से अधिक सरकारी स्कूल खोलने एवं शिक्षकों के रिक्त सभी पदों को भरने की तो सरकार युक्तियुक्तकरण के नाम पर 10,463 सरकारी स्कूलों को एवं शिक्षकों के 44 हजार से अधिक रिक्त पदों की खत्म कर रही है। जो कि पूर्ण रूप से आम छात्र एवं आम जनता के साथ धोखा और अन्याय है। जिसके खिलाफ राज्य में छात्र युवा लंबे समय से शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर अपनी आवाज उठा रहे हैं।

मंत्री गजेंद्र यादव ने झुलसे दीपक को दी 50 हजार की आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दीपक नगर निवासी दीपक यादव दिवाली के समय पटाखा फोड़ते समय झुलस गया था। इस जानकारी के बाद मंत्री गजेंद्र यादव ने दीपक का हालचाल जाना। वर्तमान में गजेंद्र यादव बिहार चुनाव में व्यस्त हैं। इस वजह से वे दीपक से मिलने नहीं पहुंच सके, लेकिन उन्होंने अपने समर्थकों को सेक्टर-9 हॉस्पिटल भेजा। बच्चे और उनके परिजनों से फोन पर बात की। साथ ही 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई। साथ ही हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। गजेंद्र ने दीपक की मां से बात कर उन्होंने सिर्फ औपचारिक कुशलक्षेम नहीं पूछी, बल्कि एक अभिभावक की तरह भरोसा दिया। इलाज से लेकर शिक्षा और भविष्य की जिम्मेदारी उठाने का भरोसा दिलाया। यही नहीं, उन्होंने जिला प्रशासन को भी स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपक के पुनर्वास, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी न रहे, और ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। परिजनों ने गजेंद्र का आभार व्यक्त किया। बता दें कि दो दिन पहले वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन ने दीपक को जिला अस्पताल से सेक्टर-9 हॉस्पिटल पहुंचाया था। साथ ही इलाज का पूरा खर्च वहन करने की बात कही थी।

- समर्थकों को सेक्टर-9 हॉस्पिटल भेजकर जाना हालचाल

जु जित्सू : अंडर 18 में अमन, देवांश व चंदेल का चयन

दुर्ग। 2 दिवसीय जु जित्सू राज्य स्तरीय चैंपियनशिप का आयोजन डोंगरगढ़ के शासकीय कन्या विद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें दुर्ग जिला से

अंडर 18 में अमन चंदेल देवांश पांडेय एवं अंदर 16 काव्या विश्वकर्मा, मोहक पांडेय ने भाग लिया। जिसमें दुर्ग जिला के बच्चों ने कुल 2 गोल्ड मैडल, दो सिल्वर मेडल एवं चार ब्रांच मेडल प्राप्त किये जु जित्सू एसोसियन के महासचिव राणा अजय सिंह दुर्ग जिला सेक्रेटरी देवा साहू, सुरेश प्रसाद शांडिल्य, वार्ड नंबर 11 के पार्षद आशीष चंद्राकर, पार्षद अरुण सिंह, सुषमा जांगड़े, रिभा देवांगन, रूपेश चंदेल, संजय साहू ने बधाई दी है।

किसानों ने उठाए खेती-किसानी के मुद्दे, तदर्थ कमेटी का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

बाजार चौक बोरी में छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन ने दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में किसानों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं पर खुलकर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष संतु पटेल ने की। इस दौरान संगठन को और मजबूत और विस्तारित करने पर सहमति बनी। बैठक में धमधा ब्लॉक की तदर्थ कमेटी का गठन किया गया। नई समिति में खिलोरा के जगन्नाथ पटेल और डोमा के देवानंद साहू, हरदी के हरिनारायण पटेल को उपाध्यक्ष, पथरिया के कामदेव साहू को सचिव, गाड़ाघाट के रोमन पटेल, हसदा के पंचराम साहू, नवागांव के समारू देशलहरा को सह सचिव और खिलोरा कला के त्रिलोकी पटेल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं कार्यकारिणी समिति में भगवती मढ़रिया, गिरीश दिल्लीवार, भगेला साहू, उत्तरा पटेल, चेतन कश्यप, अमृत गुप्ता, भीषम मढ़रिया और राजेंद्र साहू को शामिल किया गया है। इस दौरान में कमलेश ठाकुर, रोहित, सीताराम, रामनारायण वर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

बौद्ध महासभा की बैठक में आगामी चुनाव को लेकर चर्चा, चुनाव अधिकारी नियुक्त

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा की बाबासाहेब डॉ. आम्बेडकर सां स्कृ ति क भवन सेक्टर 6 में बैठक हुई। सामान्य सदस्यों की इस विशेष सभा में चुनाव

संबंधित अध्यक्ष सविता मेश्राम की अध्यक्षता में हुई बैठक में आगामी त्रि वर्षीय कार्यकाल के लिए चुनाव संबंधित चर्चा हुई। सर्व प्रथम के संस्था के पदाधिकारियों ने द्वीप प्रजलल्वित कर तथागत भगवान गौतम बुद्ध तथा बाबासाहेब डॉ आम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। सविता मेश्राम ने पिछले तीन वर्षों में हुए कार्यों और गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सभी सदस्यों को पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल में दिए गये सहयोग के लिए साधुवाद दिया। संस्था के उपाध्यक्ष विनोद वासनिक ने आगामी होने वाले त्रि वर्षीय चुनाव कैसे सम्पादित किया जाएगा, इसकी सविस्तर जानकारी दी। पांच चुनाव संचालन अधिकारियों को सभा ने सर्व सम्मति से और ध्वनिमत से चयनित किया गया। इसमें मुख्य चुनाव अधिकारी एल उमाकांत एवं सहायक चुनाव अधिकारी प्रभाकर खोब्रागडे, नरेश मेश्राम, अनिल रंगारी और भारती खांडेकर होंगे। आभार प्रदर्शन संस्था के उपाध्यक्ष कृष्णा बंसोडकर ने किया। विशेष सभा का संचालन संस्था के महासचिव रामराव ढोक ने किया।

साइबर फ्रॉड होने पर 1930 पर तत्काल दें जानकारी इससे आरोपियों को पकड़ने में मिलेगी सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

साइबर सुरक्षा जागरुकता माह के अंतर्गत पॉवरग्रिड कर्मचारियों, उनके परिवार और संविदा श्रमिकों के लिए व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। साइबर जागरुकता माह का आयोजन 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक किया जा रहा है। पूरे देश में जागरुकता शिविर लगाए जा रहे हैं।

पॉवरग्रिड कर्मचारियों, उनके परिवारों और संविदा श्रमिकों के लिए एक महत्वपूर्ण व्याख्यान सत्र

- कुम्हारी पॉवर ग्रिड में साइबर सुरक्षा को लेकर दी गई जानकारी

का आयोजन कुम्हारी में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों को समझाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एएसपी सुख नंदन राठौर थे। विशेष रूप से साइबर सेल, सब-इंस्पेक्टर डॉ. संकल्प राय उपस्थित थे। कार्यक्रम में आरपी साहू महाप्रबंधक पॉवरग्रिड कुम्हारी उपकेंद्र भी उपस्थित रहे।अतिथियों ने साइबर अपराध की समस्याओं, उनसे बचाव के उपाय और सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत सतर्कता की अहमियत पर प्रकाश डाला।

पुलिस के फुल फॉर्म के माध्यम से साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बताया गया कि पी से पासवर्ड कभी ने बताएं, ओ से ओटीपी अपने वन टाइम पासवर्ड को सुरक्षित रखें, किसी के साथ साझा न करें। एल से लिंक यानी अनजानी या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। आई से आइडेंटी अपनी पहचान की सुरक्षा करें। सी से चैटिंग यानी अजनबियों से चैट न करें। ई से इमरजेंसी यानी आपात स्थिति में 1930 को फोन करें। यह जागरुकता कार्यक्रम साइबर जागरूक भारत पहल का हिस्सा है, जो सभी व्यक्तियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सचेत और सतर्क रहने के लिए प्रेरित करता है। सभी प्रतिभागियों ने इस सूचना-सत्र को बेहद उपयोगी बताया तथा उक्त सुरक्षा उपायों को अपनाने का संकल्प लिया।

जिला न्यायालय में हुई सतर्कता जागरुकता सप्ताह की शुरुआत

कोर्ट के कर्मियों ने सत्यनिष्ठा की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

केन्द्रीय सर्तकता आयोग द्वारा प्रतिवर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर सर्तकता जागरुकता सप्ताह मनाया जाता है। हाईकोर्ट बिलासपुर के निर्देश के परिपालन में जिला न्यायालय में सोमवार को सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर स त र्क ता जागरुकता सप्ताह की शुरुआत की गई। सप्ताह के प्रथम दिवस पर जिला न्यायालय दुर्ग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्र की सेवा में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त कार्यशैली की शपथ ली। शपथ के दौरान सभी ने यह संकल्प लिया कि वे अपने शासकीय कर्तव्यों का पालन बिना किसी भय या पक्षपात के करेंगे। किसी भी प्रकार का रिश्वत न लेने तथा न देने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा न देने के प्रति कटिबद्ध रहेंगे।

- सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस पर आयोजन

अर्थदंड से मिली राशि हेल्थ और खेल के लिए समर्पित

किशोर न्याय (बालको की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अन्तर्गत किशोर न्याय बोर्ड जिला दुर्ग द्वारा प्रकरण में पारित अर्थदण्ड की राशि 17,500 रुपए को बाल संप्रेक्षण गृह दुर्ग में निवासरत बालको के सर्वांगिण विकास जैसे शिक्षा, खेल-कूद, स्वास्थ्य, सांस्कृति कार्यकम आदि प्रयोजन के लिए प्रदान की गई। अधीक्षिक बाल संप्रेक्षण गृह एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के संयुक्त खाता में यह राशि ट्रांसफर की गई। इस दौरान कानून में किए गए प्रावधानों के बारे में भी अवगत कराया गया।

जागरुकता अभियान 2 नवंबर तक चलाया जाएगा

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश विनोद कुजूर ने कहा कि सतर्कता जागरुकता सप्ताह का उद्देश्य केवल शपथ लेना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य और जीवन में नैतिक मूल्यों और जवाबदेही को अपनाना है। ताकि न्यायपालिका को और अधिक विश्वसनीय बनाया जा सके। यह जागरुकता सप्ताह 2 नवंबर तक चलेगा, जिसके दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर कई अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे।

दीपावली मिलन समारोह में निषाद समाज ने दिया एकजुटता का संदेश

दुर्ग। दुर्ग जिला निषाद (केंवट) समाज के तत्वाधान में जिला युवा प्रकोष्ठ संगठन द्वारा दीपावली मिलन समारोह ग्राम थनौद में अंजोरा परिक्षेत्र, नगपुरा परिक्षेत्र, भरदा चगोंरी परिक्षेत्र, चिरपोटी परिक्षेत्र के सम्मत ग्राम प्रमुख पंचगैहा परिक्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ बिरेंद्र कुमार निषाद ने समाजिक भाई चारे भाव जैसे विचार धारा में जुड़कर समाज को संगठित कर एकता में रहने का संदेश दिया तथा जिला युवा प्रकोष्ठ सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाकर बैठक करने का आश्वासन दिया गया। सभी ने एक दूसरे को दीपावली की बधाई दी। इस अवसर पर जिला बीजापुर निषाद समाज अध्यक्ष कोमल देव निषाद, जिला अध्यक्ष दुर्ग डॉ घनश्याम निषाद, ओमप्रकाश निषाद, सियाराम निषाद, महेश निषाद, नीलकमल निषाद, धनेश निषाद, भीम सिंह निषाद, सुदामा निषाद, लक्ष्मन निषाद, लखन निषाद, बुधेराम निषाद, केवल निषाद, आनंद निषाद, महेंद्र निषाद, ओमप्रकाश निषाद, दिनेश निषाद, गौतरिया निषाद, खिलेश्वर निषाद, खिरेन्द्र निषाद, पंकज निषाद आदि परिक्षेत्र के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

लोक नृत्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

अंडा। जिला स्तरीय लोक नृत्य प्रतियोगिता स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दीपक नगर दुर्ग में संपन्न हुई। राष्ट्रीय जनसँख्या शिक्षा प्रयोजन के अन्तर्गत शालेय विद्यार्थियों में स्वास्थ्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं जीवन कौशल के विकास के लिए एससीईआरटी नई दिल्ली द्वारा सभी राज्यों में जनसंख्या शिक्षा के विशिष्ट क्षेत्रों की थीम पर आधारित नाटक लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत इस प्रतियोगिता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोड़िया के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अपने नृत्य में विभिन्न खेलों को प्रदर्शित करते हुए कक्षा 9वीं की तीमा ठाकुर, तोशी साहू, आरुषि साहू, लेखनी निषाद, त्रिवेणी और लुकेश्वरी निषाद ने स्वस्थ जीवनशैली का संवर्धन विषय पर आधारित थीम को प्रदर्शित किया। इस शानदार प्रस्तुति की सभी ने प्रशंसा की विभिन्न नियमावली एवं कठिन प्रतियोगिता को पार करते हुए शाला के विद्यार्थियों ने जोन स्तर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त किया है।

निधन

किशोर रायसोनी

दुर्ग। दुर्ग-भिलाई के प्रसिद्ध व्यवसायी किशोर रायसोनी 63 वर्ष का निधन हृदयगति रुकने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 27 अक्टूबर को हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. लालचंद सोनी के पुत्र, गुलाब रायसोनी के भाई और राहुल के पिता थे। उनके निधन पर व्यापारियों ने शोक व्यक्त किया है। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

छठ पर्व को लेकर दिखा उत्साह, विधिवत पूजा कर डूबते सूर्य को दिया पहला अर्घ्य

सोमवार को बड़े तालाब घाट पर पहुंचे लोगों ने ढोल-नगाड़े व पटाखे फोड़कर छठ पर्व उत्साह पूर्वक मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

लोक आस्था का महापर्व छठ शनिवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ। 26 अक्टूबर को खरना के बाद 28 अक्टूबर को सांध्य बेला में कुम्हारी स्थित बड़े तालाब घाट पर छठ को लेकर इस बार जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में परिवारों के लोग घाट पर पहुंचे व्रती महिलाओं ने 38 घंटे निर्जला उपवास रख अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। खरना से शुरू हुआ यह महापर्व अस्त सूर्य देव को पहला अर्घ्य देने के बाद मंगलवार सुबह दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार को बड़े तालाब घाट पर पहुंचे लोगों ने ढोल-नगाड़े पटाख़े की शोर शराबे के साथ छठ पर्व उत्साह पूर्वक मनाया इसके पहले घाटों को दीपों व फूलों से सजाया गया। इस अवसर पर कुम्हारी नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा भी घाट पर पहुंची और सभी व्रतियों को छठ पर्व की बधाई दी। आए हुए व्रतियों ने बताया कि 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ चार दिनों के पर्व का समापन होगा। बताया गया कि दीपावली व गोवर्धन पूजा के बाद चार दिवसीय छठ पूजा की तैयारियां कुम्हारी क्षेत्र सहित आस पास के गांवों में शुरू हो गई थी। कुम्हारी नगर के स्टेशन चौक, बाजार चौक, वार्ड क्रमांक 14-15, परसदा, कुगदा, जंजगिरी समेत आसपास के इलाकों के रहवासियों के द्वारा छठ पर्व बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। छठ पूजा के लिए व्रती महिलाओं व पुरुषों के द्वारा कोसी, पीतल, बांस का सूप, दउरा, साड़ी, गन्ना, नारियल, फल सहित पूजा-अर्चना के लिहाज से हर सामानों को टोकरी में भरकर घाटों में ले जाया गया।

धन्वंतरि मंदिर समिति व संस्कृत विद्यालय परिवार का प्रदेश स्तरीय संयुक्त आयोजन

आदिवासी परंपराओं को जीवित रखने और युवा पीढ़ी को उनसे जोड़ना जरूरी : कौशिक

प्रदेशभर के आदिवासी लोकनृत्य दलों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

आदिवासी लोकनृत्य स्पर्धा 26 अक्टूबर को धमधा में किया गया। आदिवासी संस्कृति और लोकनृत्य हमारी समृद्ध धरोहर का अभिन्न अंग है। इस तरह के आयोजनों से छत्तीसगढ़ की आदिवासी परंपराओं को जीवित रखने और युवा पीढ़ी को उनसे जोड़ना जरूरी है। साथ ही मुख्यमंत्री के निज सचिव तुलसी कौशिक ने आदिवासी लोक संस्कृति और कला को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इसमें सरकार भी कार्य कर रही हैं। आदिवासी समुदायों की समृद्ध संस्कृति को पहचान और सम्मान दिलाना हम सबका दायित्व होना चाहिए। 30 लाख की राशि से सभागार निर्माण के लिए किया गया। अनुशंसा को केबिनेट बैठक में प्रस्तावित कर किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के प्रथम धन्वंतरि मंदिर के चतुर्थ प्रकाट्योत्सव पर सिद्ध मनोकामना भगवान श्री धन्वंतरि मंदिर संस्कृत विद्यालय परिसर धमधा में प्रदेश स्तरीय आदिवासी लोकनृत्य प्रतियोगिता समारोह के अध्यक्षता की आंसदी से साजा विधायक ईश्वर साहू रहे हैं और मंच के माध्यम से कहा मेरे क्षेत्र में इतना बड़ा आयोजन होना, हम सबके लिए गौरव का विषय है। यह संस्था प्रत्येक वर्ष लोक संस्कृति के विकास के लिए संकल्पित है। इस खुशी से ओतप्रोत होकर मैं विधायक निधि से 15 लाख का एक छोटी सी धनराशि भगवान धन्वंतरि के श्री चरणों में निर्माण कार्य के लिए घोषणा करता हूं, जिसे जल्द से जल्द स्वीकृत करूंगा। डॉ निरीक्षा सिंह राठौर, वेदांत सिंह एवं विश्व विख्यात रजनी रजक ढोला मारू, लोक जगर निर्देशिका के विशेष निर्णायक मंडल रहे हैं।

समारोह की शुरूआत विद्वान पंडित बृजमोहन प्रसाद उपाध्याय विश्व पटल में पहला श्रीमद भगवान धन्वंतरि आयुष महायज्ञ सप्ताह आयोजन के कथा वाचक के द्वारा पूजा-अर्चना किया गया। शिक्षा के संवर्धन के लिए विलुप्त हो रहीं छत्तीसगढ़ की धरोहर आदिवासी जनजाति लोकनृत्य के विकास के लिए प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज स्तर के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एक से बढ़कर एक लोकनृत्य ने दर्शकदीर्घा का मन मोह लिया। इसमें आदिवासी नृत्य कर्मा, ददरिया व रेला आदि की बखूबी प्रस्तुति दी गई। लोकनृत्य में प्रथम कमार आदिवासी लोकनृत्य गरियाबंद 20,051, द्वितीय स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम पेनड्रावन 10,051 व सात सांत्वना पुरस्कार 5,051 सेजस कन्या धमधा, जय अंबे धमधा, शासकीय महाविद्यालय धमधा, लोक प्रहरी हमर संस्कृति धमधा, धन्वंतरि ग्रुप धमधा, सेजस कन्हारपुरी इत्यादि विजेता रहे। अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए आकर्षक पुरस्कार वितरित किया। इस बीच लोकमंच लोक जगार भिलाई की लोकगायिका रजनी रजक के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समा बांधा। मंच संचालन लोक गायिका, आचार्य धर्मेंद्र कुमार ताम्रकार एवं डॉ. डोमार वर्मा का विशेष सहयोग रहा।

नीतू साहू प्रधानाचार्य संस्कृत विद्यालय एवं समस्त स्टाफ, शीला तिवारी, शशि अग्रवाल, अंजनी गुप्ता, मायासोनी, महिला सशक्तीकरण के समस्त सदस्य, कार्यक्रम में देवेन्द्र साखरे, गोपाल खेमका, जसबीर मां बम्बलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट एवं स्काउट गाईड फेलोशिप डोंगरगढ़, डॉ. विरेंद्र राजपूत, सांसद प्रतिनिधि नरेश साहू, रमन लाल यादव, कुमारी टोनडरे, भाजपा मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रम्हभट्ट, केंद्रीय संस्कृत शिक्षा प्रकोष्ठ दुबेलिया तेली साहू समाज डंगनिया, प्रदीप ताम्रकार, निकेत ताम्रकार, आशीष ताम्रकर, ओम विश्वकर्मा, रामकुमार यादव, मनीषा ताम्रकार, अध्यक्ष केंद्रीय संस्कृत शिक्षा प्रकोष्ठ सुंदर लाल साहू, अलखराम साहू, कुबेर, बुधारू साहू , सत्यनारायण ताम्रकार आदि उपस्थित थे। अंत में डॉ. दिनेश साहू के द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों को साधुवाद, सधन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने पारंपरिक खेलों में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत आमटी में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन सरपंच दुर्गा चौधरी की मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिसमे शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय आमटी के छात्र-छात्राओं तथा ग्रामीणों ने पारंपरिक खेलों में भाग लिया। वहीं विजेता खिलाड़ियों को ग्राम पंचायत की ओर से पुरस्कृत किया गया। पंचायत स्तरीय सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन किया जिसमें युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पंचायत स्तर की सांसद खेल कूद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। जिसका शुभारंभ सरपंच दुर्गा चौधरी ने फीता काट कर किया। कब्बडी, कुर्सी दौड़, गेंड़ी, लम्बी कूद, खो-खो, गोला फेक आदि प्रकार के खेल सम्पन्न हुआ। बालक-बालिका वर्ग में खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस खेल मे सरपंच दुर्गा चौधरी ने कहा कि खेल के साथ-साथ पढ़ाई भी जरूरी हैं, सभी प्रतिभागी बच्चों का उज्जवल भविष्य की कामनाएं किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीएड एवं बीएससी बीएड के छात्र अध्यापक एवं मोहन ठाकुर, कुलेश्वर प्रसाद शर्मा, अध्यापक गण एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

- खेल के साथ-साथ पढ़ाई भी जरूरी हैं: सरपंच दुर्गा चौधरी
- विजेता खिलाड़ियों को किया गया पुरस्कृत

नवागांव कबड्डी प्रतियोगिता में मतवारी विजेता और सौराबांधा रहे उपविजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव आर

कबड्डी में मतवारी विजेता व सौराबांधा उपविजेता रही। मेरा युवा भारत दुर्ग एवं स्वास्तिक क्रीडा मंडल नवागांव के तत्वावधान में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता ग्राम नवागांव में आयोजित किया गया। जिसमें 100 मीटर दौड़ बालिका में ऋतु साहू प्रथम, रागिनी द्वितीय, बालक वर्ग दौड़ में धनेंद्र कुमार प्रथम, ललित कुमार द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रस्सा कस्सी में मां शारदा ग्रुप प्रथम एवं मां वृंदा देवी ग्रुप द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेक में विवेक प्रथम व साहिल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तो वहीं कबड्डी में मतवारी की टीम प्रथम सौराबांधा की टीम द्वितीय एवं निपानी की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में मुख्यातिथि रूपेंद्र कुमार शुक्ला महामंत्री दुर्ग ग्रामीण, अध्यक्षता अमित अग्रवाल सरपंच बेल्हारी विशेष अतिथि के रूप में नितिन शर्मा उपनिदेशक मेरा युवा भारत दुर्ग, वरुण नेताम सरपंच टेमरी, चंद्रभान साहू पूर्व सरपंच नवागांव, महेंद्र साहू नवागांव उपस्थित रहे सभी अतिथियों ने समस्त विजेता खिलाड़ियों को नगद राशि एवं वीनर शील्ड प्रदान किए और सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मेरा युवा भारत के मास्टर ट्रेनर एवं जिला समिति सलाहकार ढाल सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में आसपास के लगभग 25 टीमों के युवा क्लबों में भाग लिया था विजेता खिलाड़ियों को जिला स्तर में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कार्यकम को सफल बनाने में चंदनमहलवार, अभिषेक सेन, उमेश यादव, ऐनु यादव, उत्तम कुमार, तीरथ, जयंत, मोनिश, नीरज, विनोद, रूपेंद्र सुभाष, साहिल, विवेक एवं स्वास्तिक क्रीडा मंडल नवागांव के समस्त सदस्यों एवं समस्त ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा।

मोहित को मिला कीर्ति शेष पंचराम बनपेला सम्मान

सेलूद। अविभाजित जिला दुर्ग जिला वर्तमान में दुर्ग, बालोद, बेमेतरा जिला में वर्ष 1990 से 2003 तक जिला साक्षरता समिति द्वारा संचालित संपूर्ण, उत्तर एवं सतत साक्षरता कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित कराते हुए उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला साक्षरता मित्र मंच द्वारा साक्षरता के क्षेत्र में योगदान देने वाले 43 कीर्ति शेष के स्मृतियों को समिति द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर इनके नाम से उतर साक्षरता,सतत शिक्षा के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रम में आगे आकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले को इनके परिजनों के उपस्थिति में सम्मानित किया गया। मोहित कुमार शर्मा को पाटन परियोजना के अंतर्गत अक्षर सैनिक, कला जत्था कलाकार, कुशल प्रशिक्षक के साथ तात्कालीन समय जल मिशन, कुष्ठ उन्मूलन, डायरिया उन्मूलन, पल्स पोलियों अभियान, पर्यावरण जागरूकता हरेली जगार के विविध गतिविधियों में सहभागिता के लिए कीर्ति शेष पंचराम बनपेला सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बनपेला के पुत्र कौशल एवं अनिल बनपेला सपत्नीक उपस्थित रहकर समिति के अलावा भी सम्मानित किए। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ.बीएल तिवारी, डॉ. डीएन शर्मा, हरिनारायण दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार परदेशी राम वर्मा आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज की बैठक बटंग में आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

- राजमंत्री रमाशंकर वर्मा ने छात्रवृत्ति के बारे में विस्तार से जानकारी दी

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज का बैठक ग्राम बटंग में सम्पन्न हुआ। कुर्मी मंगल भवन में सर्व प्रथम महापुरुषों के तेलचित्र पर दुर्ग राज के राज प्रधान ईश्वरी वर्मा, पूर्व राज प्रधान अरुण वर्मा, दुलारी वर्मा, पाटन जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, सरपंच गेंदू वर्मा, पदाधिकारीगण, ग्राम के स्वजातीय पुरुष एवं महिलाओं द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। तत्पश्चात दुर्ग राज के दिवंगत स्वजातीय गण को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। वहीं नरेंद्र वर्मा के संचालन में राजप्रधान सहित समस्त पदाधिकारी ग्राम के वरिष्ठजन का सम्मान किया किया गया। ग्राम बटंग के जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक सरपंच गेंदू वर्मा, उपसरपंच माहेश्वरी वर्मा सहित पांच का भी सम्मान किया गया। ग्राम के महेश बघेल की कुर्मी भवन के अहाता निर्माण के लिए पांच लाख देने पर सम्मान किया गया। उसके बाद कार्यक्रम का संचालन खिलेश वर्मा ने किया और संबोधन के लिए सर्वप्रथम राजमंत्री रमाशंकर वर्मा ने छात्रवृत्ति के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। अरुण वर्मा ने कहा कि जो भी निर्णय पास होता है था अधिवेशन में आप लोगों के द्वारा ही पारित होता है। दुलारी वर्मा ने कहा कि छात्रवृत्ति को और अधिक संख्या में लोगों को जोड़कर बढ़ाने की आवश्कता है। अपने कार्यकाल में जो विभिन्न ग्रामों में निर्माण कार्य की जानकारी दी। राज प्रधान ईश्वरी वर्मा ने निर्विरोध निर्वाचित हुआ के लिए सभी का आभार जताया। खंड 2 की धारा 58 केंद्र एवं दसों राज का चुनाव एक साथ खंड 2 धारा 41 प्री वेडिंग शूटिंग को बंद खंड 1के धारा 65 अनिवार्य चंदा 20के स्थान पर अलग अलग वर्ग के लिए निर्धारित किया गया है। उसके बाद महेंद्र वर्मा के संचालन में प्रकरण बैठक की शुरुवात किया गया। कार्यक्रम में राज प्रधान ईश्वरी वर्मा, पूर्व राज प्रधान अरुण वर्मा, दुलारी वर्मा जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, सरपंच गेंदु वर्मा, उप सरपंच महेश्वरी वर्मा, राजमंत्री रमाशंकर वर्मा, उप राजमंत्री प्रेम लाल वर्मा, सचिव महेंद्र वर्मा, सह सचिव एवं मीडिया प्रभारी खिलेश वर्मा आदि उपस्थित थे।

मां महामाया मंदिर ट्रस्ट ने प्रस्तुत किया क्वांर नवरात्रि के आय-व्यय का ब्यौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

- मंदिर के बेहतर संचालन एवं नवनिर्माण पर भी हुई चर्चा

माँ महामाया मंदिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा रविवार को माह अक्टूबर की बैठक का आयोजन मंदिर कार्यालय में संम्पन्न हुआ। उक्त बैठक में क्वांर नवरात्री के आयोजन संबंधी आय-व्यय का लेखा-जोखा अध्यक्ष नारायण वर्मा की अध्यक्षता में ट्रस्टी अशोक दीवान द्वारा प्रस्तुत किया गया उन्होंने बताया कि क्वांर नवरात्री में ज्योत प्रज्वलन पश्चात शेष रकम 12 लाख 60 हजार 625 रुपए ट्रस्ट के खाते में जमा करा दिए गए हैं। इन सब के अलावा भक्तों द्वारा माता को चढ़ाए गए आभूषणों को सभी के समक्ष प्रस्तुत कर इसकी जांच के पश्चात बैंक लॉकर में सुरक्षित जमा करने का निर्णय भी लिया गया। आय व्यय का ब्यौरा अध्यक्ष एवं ट्रस्टियों द्वारा उपस्थित गणमान्य नागरिकों के समक्ष रख सभी से भविष्य में मंदिर संचालन हेतु सुझाव भी मांगा गया। इस नवरात्रि मंदिर में कुल 2500 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए जिससे कुल 17 लाख 50 हजार की राशि प्राप्त हुई इसके अलावा दानपेटी एवं नारियल बिक्री से 5 लाख 19 हजार 600 रुपए, दुकानों से प्राप्त राशि 38 हजार एवं आरती से कुल 22 हजार तथा 51 हजार एवं 11 हजार 525 रुपए दान से प्राप्त की गई। जिसमें ज्योत प्रज्वलन एवं अन्य खर्चों को मिलाकर कुल 12 लाख 29 हजार 600 रुपए खर्च किए गए। ट्रस्ट के अध्यक्ष नारायण वर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में नगरपालिकाध्यक्ष श्रीमती मीना वर्मा द्वारा मां महामाया मंदिर ट्रस्ट को 15 लाख रुपए दान स्वरूप देने की घोषणा की गई है।

जन्मभूमि कर्मचारी संगठन ने मनाया दीवाली मिलन समारोह

सेलूद। जन्मभूमि कर्मचारी सेवा समिति में दीवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समिति सदस्य द्वारा पांच वर्षों में जनहित में गांव में किये गये कार्यों को सराहा गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता जन्मभूमि कर्मचारी सेवा समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण साहू ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले 5 वर्षों में सेलूद गांव के बच्चों को शिक्षा में बेहतर बनाने नवोदय ट्युशन क्लास, मोजा-जूता, टाई, बेल्ट, स्वेटर, माइक सेट देकर बेहतर शिक्षा के लिए प्रयास किया। वहीं कमजोर परिवार को इलाज व दशगात्र कार्यक्रम में आर्थिक सहयोग कोरोना जैसे महामारी में गरीब परिवार को राशन सामग्री सेवानिवृत्त व नये लगे कर्मचारियों का सम्मान समारोह जैसे कई जनहित के कार्यों को करते आ रहे हैं। भविष्य में संगठन ऐसे ही जनहित के कार्यों के साथ बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगारमूलक कार्यशालाएं आयोजित करेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नंदकुमार तिवारी थे। अतिविशिष्ट अतिथि अर्जुन सिंह बंछोर रहे। सह सचिव बलराम वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

ई-बॉल तकनीक से होगी तालाबों की सफाई, हानिकारक तत्व होंगे नष्ट

नगर निगम भिलाई ने शुरू किया काम, महाराष्ट्र, यूपी, रायपुर, अंबिकापुर में किया जा चुका है प्रयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

अब नगर निगम भिलाई क्षेत्र के छठ तालाबों की सफाई के लिए ई-बॉल तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसकी शुरुआत सोमवार से हो गई है। यह पानी की गुणवत्ता सुधारने में बेहद असरदार माना जा रहा है। निगम का कहना है कि यह पहल न केवल छठ पूजा के लिए स्वच्छ जल सुनिश्चित करेगी, बल्कि भविष्य में जल स्रोतों की प्राकृतिक शुद्धता बनाए रखने में भी सहायक होगी। नगर निगम भिलाई के स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने बताया कि 15 फीट गहराई वाले एक एकड़ तालाब के लिए 120 ई-बॉल पर्याप्त होती है। इस तकनीक का सफल उपयोग पहले ही अंबिकापुर, रायपुर, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में किया जा चुका है। आयुक्त के निर्देश के बाद भिलाई नगर निगम क्षेत्र के तालाबों में भी इसका प्रयोग प्रारंभ की गई है।

पानी में बदबू और प्रदूषण फैलाने वाले हानिकारक तत्वों को नष्ट करती है ई-बॉल

ई-बॉल 14 प्रकार के लाभदायक बैक्टीरिया, फंगस और कैल्शियम कार्बोनेट (चूना) पाउडर का मिश्रण होती है। प्रत्येक ई-बॉल लगभग 10 से 12 ग्राम वजनी होती है। इनमें मौजूद सूक्ष्मजीव 12 घंटे में पानी में घुल जाते हैं और 48 घंटे में असर दिखाने लगते हैं। ये जीव पानी में सड़न और प्रदूषण फैलाने वाले हानिकारक तत्वों को नष्ट करते हैं। ई-बॉल पानी के पीएच, टीडीएस, बीओडी और सीओडी स्तर को संतुलित करती है, जिससे पानी की गुणवत्ता में सुधार आता है। यह पूरी तरह इको-फ्रेंडली है और इससे जलीय जीव-जंतुओं या पौधों को कोई नुकसान नहीं होता।

भिलाई क्षेत्र के इन तालाबों में डाली गई ई-बॉल

सेक्टर 7 तालाब, सेक्टर 2 तालाब, खुर्सीपार बापू नगर, सूर्यकुंड, दर्री तालाब, बाबा बालक तालाब, बैकुंठधाम कैंप 1, हाउसिंग बोर्ड सूर्यकुंड, कैंप 1 मुक्तिधाम, कुरुद नकटा तालाब, सुपेला शीतला माता तालाब, स्मृति नगर, भेलवा तालाब, संजय नगर, आमा तालाब, दाऊबाड़ा, लिम्हा और भेलवा वार्ड 13 तालाब में ई-बॉल डाली गई।

खबर संक्षेप

एथलीट चैंपियनशिप में चरोदा की बेटी ने मारी बाजी, सम्मानित

भिलाई। रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में चौथी सैफ सीनियर एथलेटक्सि चैंपियनशिप-2025 का आयोजन हुआ। रांची में हुए इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की बेटी नेनाम रौशन किया है। इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ से एकमात्र खिलाड़ी थोटा संकीर्तना शामिल हुई। थोटा संकीर्तना ने 800 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया है, उसे कांस्य पदक मिला है। इस चैंपियनशिप में भारत, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के खिलाड़ी शामिल हुए हैं। संकीर्तन दुर्ग जिले के चरोदा भिलाई तीन नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत जी केबिन चरोदा की रहने वाली है। उसकी इस उपलब्धि से जी केबिन चरोदा के लोगों ने खुशी जताई है।

अगले साल है नगर निगम भिलाई का मेयर और वार्ड पार्षद चुनाव

और डिले हो सकता है बीएसपी में मान्यता यूनियन चुनाव, विलंब से कर्मियों की लंबित हैं कई समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी कर्मचारियों को अपनी प्रतिनिधि यूनियन चुनने के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। यदि इस साल मान्यता चुनाव नहीं हुए तो अगले साल नगर निगम भिलाई चुनाव के चलते यूनियन निर्वाचन और डिले हो सकता है। लेटलतीफी का खामियाजा हजारों को कर्मचारियों को भुगतना पड़ेगा। यूनियनों ने आईडी एक्ट से जल्द चुनाव कराने की मांग प्रबंधन सीएल से की है।

उल्लेखनीय है कि बीएसपी में मान्यता यूनियन चुनाव सालभर से लंबित है। यूनियनों की मांग के बाद भी अब तक चुनाव नहीं होने से कर्मियों की लंबित समस्यों के लिए यूनियनें प्रबंधन पर अपेक्षित दबाव नहीं बना पा रही हैं। पिछली मान्यता यूनियन इस्पात मजदूर संघ बीएमएस का कार्यकाल 24 सितंबर 2024 को समाप्त हो चुका है। लेकिन अब तक आईडी एक्ट के तहत चुनाव करवाने की जहमत सीएलसी ने उठाई है और न ही प्रबंधन ही कोई ध्यान दे रहा है। गतिरोध की यह स्थिति कर्मियों के लिए नुकसानदेह साबित हो रही है। यूनियनों के मुताबिक वर्ष के बचे दो माह में यूनियन चुनाव नहीं हुआ तो फिर अगले साल नगर निगम भिलाई के चुनाव के चलते यूनियन चुनाव फिर लटक सकता है। गौरतलब हो कि अब तक मान्यता यूनियन चुनाव की प्रक्रिया के नाम पर सिर्फ एक बार सीएलसी ने सर्कुलर जारी कर यूनियनों से सदस्यता आदि संबंधी दस्तावेज मंगाए हैं। प्रबंधन ने भी छह माह पूर्व सिर्फ के बैठक की है। अब तक दर्जनभर यूनियनों में मात्र दो श्रमिक संगठन सीटू और लोइमू ने ही सीएलसी के बास दस्तावेज जमा किए हैं।

एक बार सीटू व एक बार इंटक और बीएमएस

बीएसपी में मान्यता यूनियन का पिछला चुनाव 23 सितंबर 2022 में हुआ था। भिलाई इस्पात मजदूर संघ संबद्ध बीएमएस ने चुनाव जीतकर सर्वाधिक सदस्यता हासिल की थी। इसके पूर्व दो मर्तबा सीटू और एक बार इंटक ने चुनाव जीतकर मान्यता हासिल की थी। बीएसपी में बीएमएस, सीटू व इंटक, एटक, एचएमएस,एक्टू, लोइमू, इस्पात श्रमिक मंच,बीएसपी वर्कर्स यूनियन, स्टील वर्कर्स यूनियन, बीएकेएस, भिलाई कर्मचारी यूनियन आदि यूनियनें हैं।

कर्मियों की कई समस्याएं लंबित

यूनियन चुनाव को लेकर श्रमिक संगठनों में मतभेद हैं। अधिकतर यूनियनें जल्द चुनाव चाहती हैं और इनमें अब तक चुनाव नहीं होने से असंतोष है। वहीं कुछ एनजेसीएस यूनियनें चुनाव के पहले वर्ष 2017 से अपूर्ण सेल वेतन समझौता को पूर्ण करवाने की मांग कर रही हैं। इंटक के वीबी सिंह बताते हैं कि चुनाव के पहले लंबित वेतन समझौता के तहत 39 महीने के एरियर्स का भुगतान व भत्ते आदि का निदान जरुरी है। प्रबंधन चुनाव करवाकर यूनियनों को आपस में उलझाना चाहता है।

टाउनशिप में आवारा मवेशियों की वजह से बढ़ रही दुर्घटनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

टाउनशिप में आवारा मवेशियों की समस्या लाइलाज साबित हो रही है। प्रमुख व्यस्ततम मार्गों सहित अंदर के रिहायशी इलाकों में घूमने वाले जानवरों पर अब तक अंकुश नहीं लगाने से दोतरफा समस्या पैदा हो रही है। यूनियनों ने बीएसपी और नगर निगम दोनों से खानपूर्ति के बजाए लगातार धरपकड़क अभियान चलाने की मांग की है।

टाउनशिप में के सभी सेक्टरों के आवासीय इलाकों के सामने और व्यस्ततम सड़कों पर विचरने वाले आवारा मवेशियों से दोतरफा समस्या बढ़ रही है। हजारों की तादाद में गाय, बछड़े,सांड व भैंसें बीच सड़कों और बाजारों में घूमते बैठे रहते हैं। इनसे वाहनचालकों के टकराने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। रोज कहीं न कही दुर्घटना में लोग घायल हो रहे हैं। कई बीएसपी कर्मी ड्यूटी आते जाते व स्टूडेंट भी घायल हो चुके हैं। वहीं हजारों मवेशियों के गोबर व मूत्र से टाउनशिप की हरियाली और सुंदरता भी चौपट हो रही है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि सेंट्रल एवेन्यू, फारेस्ट एवेन्यू, उतई रोड, ग्लोब चौक रुआबांधा व नेहरुनगर चौक स्टील क्लब रोड, सुपेला चौक से जेपी सीमेंट चौक रोड व सेक्टर एक रोड मुख्य मार्गों सहित क्रास स्ट्रीट रोड में भी मवेशी चार छह के झुंड में बैठे रहते हैं। वहीं आवासीय ब्लाकों के नीचे परिसर में भी गोबर कर गंदगी फैलाते हैं। मवेशी घूड़ों के कचरे को भी सड़क फैलाते हैं।

बाजारों में जमावड़ा

सेक्टर एक से लेकर सेक्टर 10 और रिसाली, मड़ौदा सेक्टर तक सभी सेक्टरों में हजारों की तादाद में मवेशी दिन रात घूम रहे हैं। वहीं सेक्टर 6 ए मार्केट व सेक्टर दस मार्केट सहित सभी सेक्टरों के मार्केटों व साप्ताहिक बाजारों में भी आवारा मवेशियों का उत्पाद होता है। व्यवसायियों ने बताया कि मार्केट में कई ग्राहक व व्यापारी सांडों से चोटिल हो चुके हैं। गंदगी अलग फैल रही है। कई मवेशी मालिक गाय आदि क्वार्टरों में गाय पालने की जगह नहीं होने व चारे के खर्चे से बचने के लिए सड़कों पर जानवरो को खुद मरने व लोगों को घायल करने छोड़ दे रहे हैं। ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई जरुरी है।

हर व्यक्ति के जीवन में नैतिक उत्कृष्टता होना अत्यावश्यक : चितरंजन महापात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- बीएसपी में सतर्कता जागरुकता सप्ताह शुरू

भिलाई इस्पात संयंत्र के 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ सोमवार को एचआरडी सेंटर में किया गया। केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर किया जा रहा है। बीएसपी के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महापात्र ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरु किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एके चक्रवर्ती, प्रवीण निगम, पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक पीके सरकार, कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार, सीजीएम तापस दासगुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी, तथा मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ सुनील सिंघल सहित संयंत्र के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। श्री सिंघल ने अतिथियों सभी सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। छात्रा नलिनी डड़सेना व छात्र पवन कल्याण ने इस वर्ष की थीम पर अपने विचार व्यक्त किये।

पढ़ा गया राष्ट्रपति का संदेश

श्री महापात्र ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में नैतिक उत्कृष्टता एवं सत्यनिष्ठा का पालन अत्यावश्यक है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह को केवल एक औपचारिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि सतर्कता, सुरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति वर्षभर चलने वाले निरंतर संकल्प के रूप में देखा जाना चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के संदेशों का महाप्रबंधक रेणु गुप्ता, दीप्ति राज, उप महाप्रबंधक नौशाद तथा वरिष्ठ प्रबंधक अनुराग मित्तल द्वारा पढ़ा गया। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक अंशुमान सिंह ने किया किया।

वायशेप ब्रिज रायपुर नाका पिछले 7 दिनों से अंधेरे में, हादसों का खतरा बढ़ा...

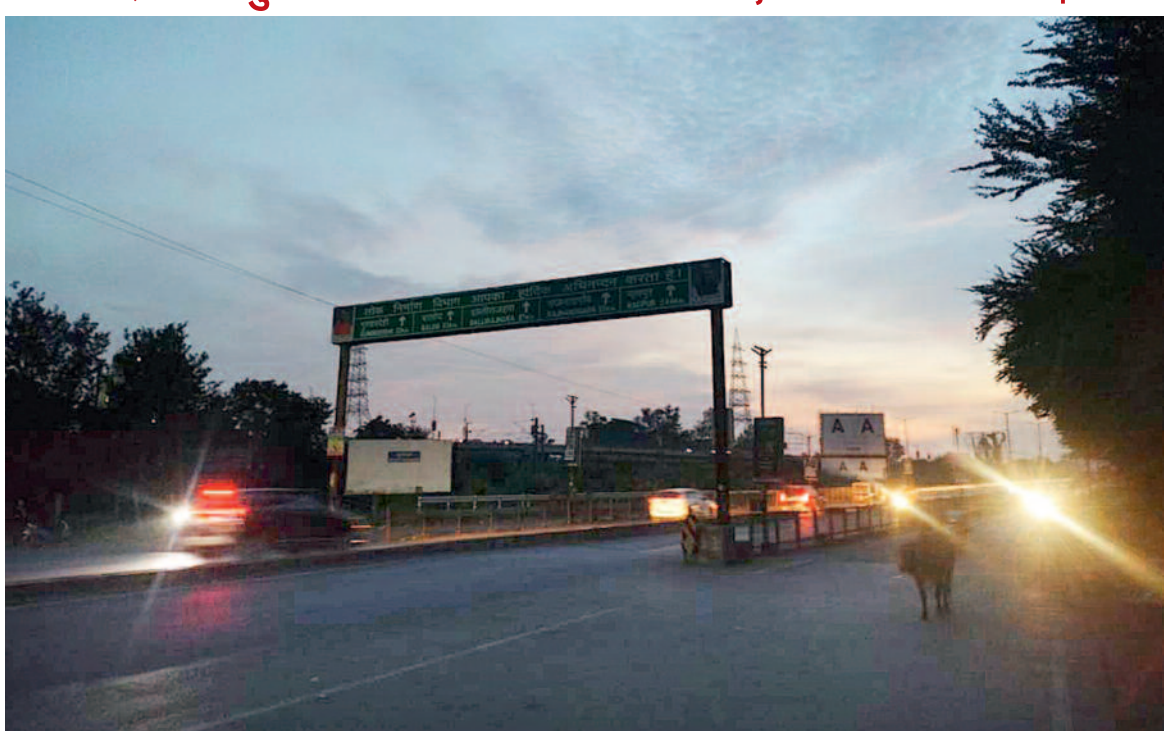

दुर्ग। दीपावली त्योहार से लेकर अब तक वाईशेप ब्रिज रायपुर नाका की स्ट्रीट लाइट बंद है। इतना ही नहीं रायपुर नाका के क्षेत्र में भी अंधेरा पसरा हुआ है। खास बात यह है कि शिकायत के बाद भी इसे लेकर न ही दुर्ग निगम ने गंभीरता दिखाई है, न ही बिजली कंपनी रूचि दिखा रहा है। इस वजह से दीपावली और छठ त्योहार के बीच यह क्षेत्र अंधेरे के आगोश में है। सिंधिया नगर तालाब में सोमवार को भक्तों ने छठ त्योहार में डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस बीच अंधेरा गया, लेकिन बिजली गुल होने की वजह से व्रती महिलाओं को अंधेरे के बीच से होकर गुजरना पड़ा। बता दें कि पिछले लंबे समय से रात के समय यहां संदिग्ध गतिविधियां हो रही है। यह क्षेत्र नशाखोरी का अड्डा हुआ है। दिन में गैरेज का संचालन होता है, इसके बाद रात में संदिग्ध गतिविधियां हो रही है। पुलिस गशत नहीं होने की वजह से रात के समय इस मार्ग से लोगों का गुजरना मुश्किल हो गया है। रात साढ़े 10 बजे के बाद लोग इस मार्ग से गुजरने से डरने लगे हैं।

चार महीने से थमा है बेजा कब्जा हटाओ अभियान

टाउनशिप में जल्द बेजा कब्जाधारियों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी टाउनशिप में बेजा कब्जाधारियों पर जल्द ही फिर से नकेल कसेगी। इसके लिए प्रबंधन द्वारा तैयारी शुरु कर दी गई है। टाउनशिप में बढ़ रही अस्वच्छता और अराजकता के खिलाफ अंकुश लगाने के लिए नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग में बतौर प्रभारी नई नियुक्ति की गई है और टीम को अपडेट किया जा रहा है। अगले महीने के आखिर तक चौतरफा अतिक्रमणाकिरियों के विरुद्ध अभियान शुरु किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि टाउनशिप में बेजा कब्जे बढ़ने से इस्पातनगरी की सुंदरता कम होने के साथ अस्वच्छता भी बढ़ रही है। साथ ही अराजकता भी बढ़ रही है। वहीं बरसात, चुनाव और त्योहार का मौसम भी खत्म हो चुका है। पिछले कुछ महीने से व्यस्ततम सड़कों के किनारे बेतरतीब कब्जों के साथ बीएसपी क्वार्टरों और खाली जमीनों पर भी कब्जे बढ़े हैं। इसकी वजह पिछले पांच महीने से अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बेजा कब्जा हटाओ अभियान का थमा होना बताया जा रहा है। इसे देखते हुए विभाग द्वारा अब चौतरफा कब्जाधारियों पर शिकंजा कसा जा रहा है। प्रबंधन द्वारा बीएसपी सेंट्रल इलेक्ट्रिकल आर्गेनाइजेशन के सहायक महाप्रबंधक रेमी थामस को प्रवर्तन विभाग का नया प्रभारी बनाकर टाउनशिप को पूरी तरह स्वच्छ व सुंदर बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अनुभाग की टीम में कसावट लाने की भी जिम्मेदारी दी गई है। बीएसपी आफिसर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री थामस को अगस्त माह में हटाए गए इंफोर्समेंट प्रमुख जीएम केके यादव की जगह नई अहम जिम्मेदारी दी गयी है। बेजा कब्जा मुहिम अगले माह नवंबर में फिर से शुरु किए जाने की तैयारी है। हास्पिटल सेक्टर में अनफिट बीएसपी आवासों के कब्जों के विरुद्ध हाईकोर्ट के स्थगनादेश हटा लेने से अन्य सेक्टरों में क्वार्टरों से कब्जाधारियों को हटाने कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

- अनफिट आवासों से कब्जा हटाने हाई कोर्ट दे चुका है बीएसपी के पक्ष में फैसला

बीएसपी के पक्ष में कोर्ट का फैसला

गौरतलब हो कि दो माह पूर्व अगस्त महीने में हास्पिटल सेक्टर में बीएसपी के कब्जे वाले अनिफिट आवासीय ब्लाकों को डिस्मेंटल करने के मामले में उच्च न्यायालय बिलासपुर ने स्टे हटाकर बीएसपी के पक्ष में फैसला दिया था। वर्ष 2014 में जिला प्रशासन और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इस सेक्टर में कब्जाकृत क्वार्टरों को जमींदोज किए जा रहे बीएसपी के अभियान की कार्रवा की रहवासियों व राजनीतिक दलों ने उग्र विरोध किया था। मामले में प्रभावितों की याचिका पर उनके पक्ष में हाइकोर्ट ने स्टे लगा दिया था। इस मामले में अब बीएसपी के पक्ष में फैसला आने के बाद टाउनशिप के अन्य सेक्टरों में भी अनफिट अवासों के कब्जाधारियों को हटाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके अलावा बारिश का मौसम भी खत्म हो चुका है और त्योहार का सिलसिला भी समाप्त होने को है। ओए के चुनाव बाद बाडी भी गठित हो चुकी है। इस दौरान सेक्टर 6 रोड, रेलवे एवेन्यू और नेहरु नगर चौक स्टील क्लब चौक रोड आदि व्यस्ततम मार्गों पर अतिक्रमण बढ़न से ट्रैफिक व आए दिन दुर्घटनाएं होने की समस्या भी बढ़ रही है।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

फोटो : संजय पांडेय

● जिले के तालाबों में बने छठ घाटों में दिखी रौनक, पूजा के साथ जमकर हुई आतिशबाजी

कांच ही बांस के बहंगिया बहगी लचकत जाए, मिनी इंडिया के सभी समाजों में दिखा छठ पूजा का उत्साह

भिलाई। प्रकृति को समर्पित लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर सोमवार की शाम को कार्तिक शुक्ल की षष्ठी तिथि पर अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया। 36 घंटे के कठोर व्रत का आज सुबह उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन होगा।चार दिवसीय छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को तथा समाप्ति कार्तिक शुक्ल सप्तमी यानी मंगलवार की सुबह होगी है। इस दौरान व्रतधारियों ने लगातार 36 घंटे का व्रत रखा और पानी भी ग्रहण नहीं किया। 4 दिवसीय छठ पर्व पर व्रतियों ने तीसरे दिन कार्तिक शुक्लषष्ठी को पूरे दिन छठ प्रसाद के रूप में ठेकुआ, व चावल के लड्डू बनाए और इसके साथ ही चढ़ावे के रुप में सभी ऋतु फल जोड़े के साथ बांस की टोकरी (दौरा) और अर्घ्य का सूप सजाकर व्रतधारी अपने परिवार तथा पड़ोस के सारे लोगो के साथ सूर्यास्त के सूर्य का अर्घ्य देने घाट पहुंचे।

भरी गई कोसी

जिन व्रतियों के घरों में कोई शादी या संतान होने की खुशी या कोई अन्य शुभ कार्य हुआ है, उनके घरों में रात को कोसी भी भरी गई। महिलाओं द्वारा गन्ने का मंडप सजाकर पंचदीप जलाकर कोसी भरी गई। छठ गीत गाकर रात जागरण भी किया गया।

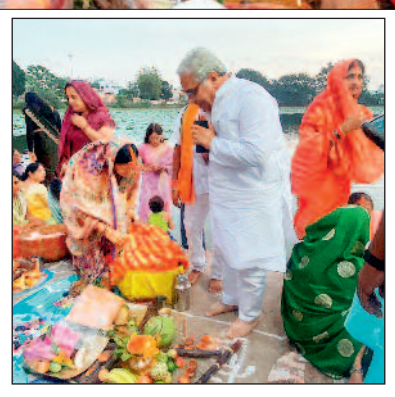

होर्डिंग का अखाड़ा बना तालाब, गूंजे छठ मइया गीत, एक-दूसरे को दी बधाई

अस्त होते सूर्य देव को अर्घ्य देने इकट्ठे हुए लोग घाटों पर पूजा के समय छठ के पारंपरिक गीतों को गाते रहे। वहीं भिलाई के प्रमुख तालाबों को दुल्हन की तरह सजाया गया था। जिसमें सेक्टर-2 तालाब छोटे-बड़े होर्डिंग का अखाड़ा के रुप में दिखाई दिया। इस बार पाटरी पार क्षेत्र में बने बैकुंठधाम तालाब को विधायक रिकेश सेन के मार्गदर्शन में सुंदर ढंग से सजाया गया था साथ ही सेक्टर-7, सेक्टर-1 पार्क में वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा के मार्गदर्शन में गोकुल शर्मा, शरद मिश्रा, राजू मिश्रा, सोनल दुबे, विनय चौबे दवरा व्रतधारियों के लिए तालाब को रंग-बिरंगी लाईटिंग सजाकर पूजा की वेदी बनाई गई थी। रामनगर, बैकुंठधाम, छावनी, खुर्सीपार, संजय नगर, शीतला तालाब, मरोदा तालाब, जवाहर उद्यान और सेक्टरों के छोटे बड़े तालाब, दुर्ग के दीपक नगर, तितुरडीह, बोरसी सहित सभी तालाबों को भी सजाया गया था।

पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश ने दिया सूर्य देव को दिया अर्घ्य

भिलाई। छग पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय घर-परिवार व क्षेत्रवासियों की खुशहाली के लिए चौथी बार छठ व्रत कर सोमवार को ढलते सूर्य को अर्घ्य दिया। उनके साथ पूजा संपन्न कराने उनकी धर्मपत्नि कृष्णावती पांडे व बेटा-बहु मनीष विनिता पांडे, भाई प्रशांत पांडे ने पूरा सहयोग कर छठ मैया का आर्शिवाद लिया। उन्होंने छठ मइया की पूजा- अर्चना कर भिलाईवासियों और प्रदेश की खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

इंद्रजीत ने श्रद्धालुओं को दी छठ पर्व की बधाई

भिलाई। हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर समाज सेवी इंद्रजीत सी छोटू ने सूर्य उपासना के लोक महापर्व के अवसर पर भिलाई के छठ घाट में भ्रमण कर उपवास को से और श्रद्धालुओं से मुलाकात की इंद्रजीत सिंह ने छठ महापर्व की बधाई देते हुए सब के मंगल के कामना की इंद्रजीत सिंह ने सूर्यकुंड बैकुंठ धाम,तालाब, कैंप 1 तालाब रामनगर ,भेलवा तालाब कोहका, छठ घाट पहुंचकर श्रद्धालुओं से भेंट कर उन्हें सूर्य उपासना के पर्व छठ की बधाई दी। इंद्रजीत सिंह छोटू के साथ घाट दौरे पर मलकीत सिंह लल्लू, सहित सहित अन्य साथी उपस्थित है।

उगते सूर्य को व्रती महिलाएं आज देंगी अर्घ्य

कार्तिक शुक्ल सप्तमी मंगलवार की सुबह व महापर्व के चौथे दिन उदियमान भास्कर को अर्ध्य देंगे व अंत में सूर्य उदित होने के बाद व्रती कच्चे दूध से अर्ध्य देकर कच्चे दूध का शरबत, अदरक गुड़ या चने का प्रसाद लेकर व्रत का पारण करेंगे।

सिटी इवेंट

दिवाली मिलन समारोह नए-पुराने गीतों ने बांधा समां, लिया लुफ्त

दुर्ग। उत्साह एवं उमंग से परिपूर्ण हमारी सांस्कृतिक धरोहर के प्रमुख त्योहार के शुभ अवसर पर अग्रवाल समाज ने दिवाली मिलन समारोह अग्रसेन भवन में किया। अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा यह त्यौहार हमें बताता है कि अंधकार चाहे जितना गहरा हो प्रकाश की एक लौ अंधकार को समाप्त कर देती है। सर्वप्रथम समाज के अध्यक्ष, संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्षों ने अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर पूजा अर्चना की। समाज के सभी सदस्यों ने मां लक्ष्मी के समक्ष एक एक दीप जला कर सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में गीत संगीत की व्यवस्था थी, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने नए एवं पुराने गानों का लुत्फ उठाया। महिलाओं व युवाओं ने नृत्य करके कार्यक्रम में चार चांद लगाया और इसका भरपूर आनंद लिया। बच्चों ने मनोरंजक गेम खेले। इस शुभ अवसर पर स्नेह भोज आयोजन भी किया गया, जिसमें समाज जनों ने सपरिवार प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के सभी पदाधिकारी, महिला मंडल, युवा मंडल, यूथ क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे।

पंचशील पंजाबी एसोसिएशन के दीवाली सेलिब्रेशन में उत्साह

स्वदेशी अपनाने पर दिया जोर, दीवाली थीम पर खेली म्यूजिकल हाउजी, बांटे गए विजेताओं को पुरस्कार

कार्नर न्यूज

भिलाई। पंचशील पंजाबी एसोसिएशन भिलाई द्वारा दिवाली मिलन समारोह, पंजाबी पैलेस के प्रांगण में म्यूजिकल हाउजी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष कैलाश मल्होत्रा ने सभा के सदस्यों का परिवार सहित स्वागत अभिनंदन किया और दीवाली की शुभकामनाएं पेश करते हुए मंगल कामना की। इस दौरान स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के संजोयक अजय भसीन ने सभा को दिवाली की बधाई देते हुए बताया कि किस तरह समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने अपना कीमती समय देते हुय एक लंबा और कठिन रास्ता तय किया। उनके अथक प्रयासों से आज समाज का भवन निर्माण हो पाया और भिलाई - दुर्ग में एक पहचान बन पाई है। उनका सम्मान करते हुए नमन किया।

अतिथियों ने सभा में और अधिक परिवारों को जोड़ने के लिए लोगों से की गई अपील

अजय भसीन ने सभी उपस्थित परिवारों से आग्रह किया कि सभा में और परिवारों को जोड़नें का काम करें। विशेष तौर पर युवा पीढ़ी को जागरूक और सामाजिक परंपराओं से परिचित करवाना चाहिए। एक समृद्ध समाज से समृद्ध देश का निर्माण होता है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि हर परिवार ये संकल्प ले कि हम ज़्यादा से ज़्यादा स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें और देश को जल्द आत्मनिर्भर बनाये। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समाज के कोषाध्यक्ष राम ओबराय ने बताया कि पंचशील पंजाबी एसोसिएशन द्वारा स्वर्ग रथ की सुविधा का सफ़ल संचाल करने के लिए नई टीम को प्रोत्सहित किया गया। कैलाश मल्होत्रा ने सभा से जुड़े सात नए परिवारों का परिचय करवाया और कार्यकारिणी के हर सदस्य ने जो सहयोग दिया उसकी सहारना की। समाज के सामान्य सचिव जितेंद्र उप्पल आभार व्यक्त किया।

धर्म लाइव

घनश्याम साक्षरता सेवी रामकिशोर पांडे स्मृति सम्मान से हुए सम्मानित

भिलाई। लगभग 35 वर्ष पूर्व 90 के दशक में दुर्ग जिला में चले साक्षरता अभियान, उत्तर साक्षरता एवं सतत शिक्षा अभियान तथा साक्षरता से जुड़ी सामाजिक जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी एवं उत्कृष्ट योगदान देने के लिए पूर्व परियोजना संयोजक घनश्याम कुमार देवांगन का दिवंगत साक्षरता सेवी स्व. रामकिशोर पांडे की स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। जैन भवन सेक्टर-6 में साक्षरता मित्र मंच के द्वारा आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान रिसाली नगर निगम की महापौर शशि सिन्हा एवं पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. बीएल तिवारी के करकमलों से पद्मश्री शमशाद बेगम, पद्मश्री कुंवर सिंह निषाद एवं पूर्व साक्षरता निदेशक एवं साक्षरता मंच के अध्यक्ष डॉ. डीएन शर्मा की उपस्थिति में प्रदान किया गया। उन्हें सम्मान में शॉल, श्रीफल, सम्मान-पत्र एवं उपहार भेंट किया गया। इस अवसर पर स्व. रामकिशोर पांडे के परिजन विशेष रूप से उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 90 के दशक में चले संपूर्ण साक्षरता अभियान के दौरान तात्कालीन परियोजना संयोजक के रूप मे घनश्याम देवांगन के कुशल नेतृत्व में साडा परियोजना क्षेत्र को प्रथम पूर्ण साक्षर शहरी परियोजना बनने का गौरव हासिल हुआ था। घनश्याम देवांगन को यह सम्मान मिलने पर देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई, भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ, छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन एवं इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग भिलाई चेप्टर के पदाधिकारियों ने बधाइयां दी है।

लाइव इवेंट

बेटियों की अहमियत से लेकर तालीम की जरुरत तक पर धाराप्रवाह बोले बच्चे

भिलाई। सैय्यदी मदरसा एकता नगर भिलाई तीन में जश्ने-ए-सरकार गौसुल-वरा, सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान 40 से ज्यादा बच्चों ने विभिन्न विषयों पर धाराप्रवाह हिंदी-उर्दू में अपनी बात रखी। निर्णायकों सहित तमाम मौजूद मेहमानों ने इन बच्चों को खूब सराहा। कार्यक्रम की शुरुआत मोहम्मद आदिल रजा की तिलावते कुरआन से हुई। आयोजन समिति की ओर से मोहम्मद उमर सिराजी ने बताया कि मदरसा डिजिटाइज किया गया है। इस डिजिटल प्लेटफार्म पर बच्चों के लिए स्कूली पाठ्यक्रम की कोचिंग, स्किल डेवलपमेंट,स्पोकन इंग्लिश, गेम्स, बेसिक कंप्यूटर कोर्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है।

कुरआन के सबक और शिक्षा की जरुरत पर हुई बातः मदरसे में उर्दू-हिंदी भाषण और सॉफ्ट स्किल के लिए बच्चों का विशेष प्रशिक्षण सत्र 19 अक्टूबर से शुरू किया गया था, जिसके समापन पर यह प्रतियोगिता रखी गई। इस दौरान बच्चों ने बेटियों की अहमियत, पैगम्बर हजरत मुहम्मद सल्लम की जिंदगी, पर्यावरण संरक्षण, हजरत अली, हमारी सामाजिक जिम्मेदारी, मजहबे इस्लाम, कुरआन के सबक और शिक्षा की जरूरत सहित 22 विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। प्रतियोगिता के निर्णायक शायर सूफी हाजी डॉ. मिर्जा इसराइल बेग शाद बिलासपुरी, लेखक मु जाकिर हुसैन और शायर डॉ. नौशाद सिद्दीकी ने परिणामों की घोषणा की और बच्चों की हौसला अफजाई की। इस दौरान सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग लेने वाले बच्चों को सर्टिफिकेट दिए गए। वहीं मदरसे की खिदमत के लिए अर्शी फातिमा का इस्तकबाल किया गया। अंत में ग्यारहवीं शरीफ के मौके पर फातिहा ख्वानी हुई और दुआएं की गई। इस मौके पर मस्जिद-मजार कमेटी भिलाई तीन के सदर रुस्तम खान, इमाम ओ खतीब मौलाना अकील, मौलाना साबिर रजा, खुर्शीद जौहरी, नौशाद अली, मोहम्मद अली, अब्दुल हामिद, मोहम्मद फारूक इमरान, मोहम्मद गुलजार, फिरोज अहमद खान, वाजिद अंसारी, यासीन, शेख सलमान, सलीम रजा खान,अराकीने कमेटी से रईस अहमद, अजहर, नसीम खान, मोहम्मद हाशमी, मोहम्मद आरिफ, अजहर खान, मोहम्मद तौसीफ रजा, मोहम्मद हुसैन और अबुल हसन सहित अन्य लोग मौजूद थे। पूरे आयोजन का संचालन और आखिर में धन्यवाद ज्ञापन मदरसे के हाफिज नसीम रजा ने किया।

उर्दू-हिंदी भाषण में इन बच्चों को मिले इनाम : उर्दू हिंदी भाषण प्रतियोगिता में कुल 42 बच्चों ने हिस्सा लिया। इनमें अव्वल फरहत परवीन, दूसरा-आबिदा कौसर, तीसरा अलीशा अंजुम, चौथा गौसिया फातिमा, पांचवा स्वालिहा अंजुम, छठवां रिफअत फातिमा, सातवां नूर बानो, आठवां मो आदिल हुसैन और नवां अब्दुल रूहान रहे। इनके अलावा अलीजा अंजुम आदि के प्रस्तुतिकरण को सराहा गया।

सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानचंद सेवा कार्य के लिए सम्मानित

भिलाई। सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानचंद जैन को सम्मानित किया गया है। वे जिला साक्षरता समिति के संस्थापक सदस्य रहे। लगातार तीन वर्षों तक कार्य समिति सदस्य रहते हुए प्रशिक्षण का प्रभार संभाला। बेमेतरा, बालोद और दुर्ग की जिम्मेदारी निभाई। साक्षरता मित्र मंच के माध्यम से आयोजन में भी अपने मुख्य भूमिका निभाई। डीएन शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।

● तीन दिवसीय आयोजन में तमिलनाडु के आचार्यों ने विधि-विधान से संपन्न कराई पूजा

सर्वविघ्न निवारण के लिए अनुष्ठान, लोक मंगल की कामना के साथ स्कंदा षष्ठी महोत्सव का समापन

भिलाई। स्कंदाश्रम हुडको में तीन दिवसीय स्कंदा षष्ठी महोत्सव सोमवार को लोक मंगल की कामना तथा शांति और प्रेम के संकल्प के साथ संपन्न हो गया। भक्तिमय उल्लास के माहौल में विविध हवन पूजन अनुष्ठान हुए और श्रद्धालु यजमानों के विभिन्न मनोरथों को पूर्ण करने की कामना की गई। शाम को 7 बजे से भजन गायक पी. टी. उल्हास व उनकी टीम द्वारा भक्तिमय वातावरण में भजनों की प्रस्तुति दी गई और तीन दिवसिया स्कंध षष्ठी महोत्लव का समापन हुआ।

सभी प्रकार के दोष निवारणार्थ हुए अनुष्ठान

तीन दिवसीय आयोजन के तीसरे और अंतिम दिन सुबह 7 बजे से सफलता एवं समस्त बाधा निवारण के लिए श्री लक्ष्मी गणपति हवन से पूजन की शुरुआत की गई। सर्व विघ्न निवारण के लिए संकटाहारा गणपति हवन हुआ। इसके बाद श्री शत्रु संहार सुदमान्य त्रिसदी अर्चना, श्री शत्रु संहार सुबमान्य त्रिसदी हवन श्री सुबमान्या पंचदशाक्षरी हवन हुआ। सुबह साढ़े 8 बजे से स्कन्द सूक्त हवन धन-धान्य वृद्धि और परिवार में शांति के लिए, साढ़े 9 बजे से श्री सुब्रमण्या त्रिशती हवन, श्री सुब्रमण्या पंचदशाक्षरी हवन, श्री शत्रु संहार सुब्रमण्या अर्चना प्रसिद्धि, शत्रु एवं रोग निवारण, सरकारी कार्यों में सफलता एवं रक्षा के लिए किया गया। दोपहर साढ़े 12 बजे से बहुम राजा, कन्या, सुहासिनी एवं दंपती पूजा सभी प्रकार के दुष्कर्म एवं पितृ दोष मुक्ति के लिए, डेढ़ बजे से वसुधारा, महापूर्णाहूति, कलश अभिषेकम किया गया।

बुरी नजर, दोष और पाप से मुक्ति के लिए अनुष्ठान

इसका उद्देश्य समाज में प्रसिद्धि, तनाव, रक्तचाप, हृदय व त्वचा संबंधी रोगों से मुक्ति सरकारी नौकरी में सफलता, अपना घर- भूमि प्राप्त करने, दीर्घायु व शांति सुरक्षा प्राप्ति और बुरी नजर दोष और पाप को दूर के लिए था। दोपहर को बडुगराजा, कन्या, सुहासिनी दंपति पूजा हुई जो सभी प्रकार के बुरे कर्मों से मुक्ति और पित्र श्राप के लिए हुई। अनुष्ठान के हवन पूजन सर्व जन कल्याण तथा समृद्धि के लिए आयोजित किया गया। हवन पूजनों का समापन वसुंधरा, महापूर्णाहुति, कलश अभिषेकम के बाद महाप्रसाद वितरण से हुआ।

दीदी शिवरंजनी ने दी विभूति

स्कंदाश्रम की प्रमुख और महासचिव दीदी शिवरंजनी ने सभी श्रद्धालुओं को विभूति विरारण किया। उन्होंने अपने आशीवर्चन में ब्रह्मलीन बड़े गुरुजी स्वामी मणि स्वामी का पुण्य स्मरण और कर करते हुए शांति व प्रेम के साथ सभी श्रद्धाओं के पर भगवान कार्तिकय की कृपा दृष्टि सदैव बनी रहने की कामना की। धर्मायोजन को सफल बनाने के लिए आश्रम के अनुयायियों और बाहर से आमंत्रित सभी श्रद्धालुओं का आभार प्रदर्शन किया। शाम को भजन गायक पी. टी. उल्हास और सहकलाकारों ने सुमधुर भजनों से भावविभोर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आश्रम से जुड़े श्रद्धालु उपस्थित थे।

गरीब विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप

इस अवसर पर स्कंदाश्रम द्वारा 18 गरीब विद्यार्थियों को 12 वीं कक्षा तक पढ़ाई के लिए स्कालरशिप प्रदान करने की घोषणा की गई। आश्रम की वरिष्ठ पदाधिकारी जननी ने बताया कि वर्ष 2022 से हर साल गरीब और प्रतिभाशाली स्टूडेंट को शिक्षार्जन के लिए स्कालर शिप दे रहे हैं। स्कंदा षष्ठी महोत्सव में स्कंदाश्रम कमेटी के सदस्यों सहित शांतनु डे और अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

तमिलनाडु के वेदाचार्यों ने संपन्न कराई पूजा

श्रद्धालुओं से खचाखच भरे यज्ञ मंडप में तीसरे दिन के अनुष्ठान का श्री गणेश सुबह 7 बजे मंत्रोच्चार के बीच देव आह्वान के साथ हुआ। विभिन्न मनोकामनाओं को पूर्ण कराने के लिए श्री रामनादा गुरुक्कल एवं टीम के साथ तमिलनाडु के वेदाचार्यों के नेतृत्व में दक्षिण भारत के 14 वेदाचार्यों व पंडितों द्वारा विधि-विधान से विविध हवन संपन्न करवाए गए।

5 नवंबर तक आत्मकल्याण विधान पूजन

पदविहार कर त्रिवेणी जैन तीर्थ पहुंची साध्वी, सैकड़ों भक्तों ने की अगुवाई

भिलाई। आचार्य विद्यासागर महाराज की शिष्य दुर्लभमति माताजी का सत्संग मंगल पैदल विहार नेहरू नगर जैन मंदिर से सेक्टर 7 महाराणा प्रताप चौक होते हुए जैनतीर्थ सेक्टर-7 में हुआ। उनके स्वागत के लिए आकर्षक रंगोली की सजावट की गई। भक्तों ने पारसनाथ दिगंबर जैन महासभा सेक्टर 6 के समस्त पदाधिकारी के साथ उनकी अगुवाई की। प्रभारी अध्यक्ष प्रशांत जैन और प्रदीप जैन के साथ ज्ञानचंद सोमेश बाकलीवाल, प्रवीण छाबड़ा, जिनेंद्र जैन, राजेश जैन, अनुपम जैन. मुकेश जैन आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे। बच्चों ने जैन ध्वज हाथ में लेकर अहिंसा परमो धर्म की जयकारा लगाते हुए पूज्य माता को वंदन किया। जैन महिला क्लब नवकार महिला मंडल त्रिवेणी बहू मंडल प्रगति महिला मंडल की सैकड़ो महिला भक्तों ने अपने आकर्षक वेशभूषा में अपने शीश पर मंगल कलश धारण किया। पद प्रक्षालन के साथ सेक्टर 6 गायत्री मंदिर के पास और त्रिवेणी जैन तीर्थ मंदिर सेक्टर 6 में धार्मिक उत्साह की मध्य कई आयोजन किए गए। इस अवसर पर बच्चों द्वारा और उनकी माताओं के द्वारा आचार्य विद्यासागर के बाल रूप की तैयारी झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

आज सुबह सिद्ध-सिद्ध महामंडल विधान : प्रदीप बाकलीवाल ने बताया कि 28 अक्टूबर को सुबह साढ़े 8 बजे से त्रिवेणी जैन तीर्थ में सिद्ध-सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं चरण कमल स्थापना के मंगल ध्वजारोहण का कार्यक्रम होगा। इसमें विधान मंडप शुद्ध घट यात्रा, अभिषेक पूजन, साध्वी माता का मंगल आशीर्वाद प्राप्त होगा। मंडप शुद्ध और महिलाओं द्वारा घट यात्रा का आयोजन भी होगा। 5 नवंबर तक विधान पूजन का कार्यक्रम होगा।

दिव्यांगजनों की मुस्कान ही सच्चा उत्सव

दिव्यांगजनों के साथ मनाई दिवाली, मुख्यमंत्री हुए शामिल

भिलाई। छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप और एसोसिएशन के अध्यक्ष अंजय शुक्ला सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम रायपुर के एक होटल में आयोजित किया गया। अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने दिव्यांग बच्चों के साथ विशेष दीपावली मनाई। इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि दिव्यांगजनों की मुस्कान ही सच्चे उत्सव का प्रतीक है। हमें समाज में इनके प्रति संवेदना और सहयोग की भावना को और मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, सौहार्द और नई ऊर्जा लेकर आए। इस अवसर पर एसोसिएशन के संरक्षक सुधीर अग्रवाल, अशोक जैन, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, बस्तर-कोरापुट संगठन के अध्यक्ष सुखदेव सिंह सिद्धू, सुधीर सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंह, अनिल चौधरी, शाहनवाज कुरैशी, जोगा राव, निर्मल सिंह, सोम सिंह, रमन, और चिंटू सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

सांस्कृतिक एवं कलात्मक समागम का आयोजन, शामिल हुए चंदैनी गोंदा के कलाकार

दाऊ रामचंद्र देशमुख की जयंती पर लोक कलाकारों का भावनात्मक संगम, रखे विचार

कार्नर न्यूज

भिलाई। भिलाई प्रगति नगर रिसाली में स्थित सुनीता आर्ट गैलरी एवं म्यूज़ियम में छत्तीसगढ़ की लोक सांस्कृतिक चेतना के प्रेरणास्रोत कला ऋषि दाऊ रामचंद्र देशमुख के जन्मदिन के अवसर पर सांस्कृतिक एवं कलात्मक समागम का आयोजन हुआ। इस आयोजन में चंदैनी, गोंदा और कारी से जुड़े वे वरिष्ठ कलाकार शामिल हुए जिन्होंने श्री देशमुख के साथ कार्य किया था। इस अवसर पर सभी कलाकारों ने अपने अनुभव साझा करते हुए दाऊ जी की स्मृतियों और उनके लोककला योगदान को भाव विभोर होकर याद किया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रो. शैलजा ठाकुर, अनुराग ठाकुर चौहान, साधना यादव, कविता वासनिक, संतोष झांझी, प्रो. सुरेश देशमुख, मदन शर्मा, विजय मिश्रा, प्रमोद यादव, विनायक अग्रवाल, कृष्ण कुमार चौबे, अग्नू, अरुण निगम और विजय वर्तमान, डॉ. मीनाक्षी दुबे, विवेक वासनिक, डॉ रत्ना वर्मा, डॉ तरूण नायक, राजेंद्र वर्मा, आयुष चंद्रवंशी और धनंजय सहित अन्य कलाकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी वरिष्ठ कलाकारों का शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। भावनात्मक आयोजन सुनीता आर्ट गैलरी का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक छत्तीसगढ़ की लोककला की यादों से गुंजायमान रहा।

छत्तीसगढ़ की लोककला को जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य

कार्यक्रम का शुरूआत आर्ट गैलरी की संस्थापक डॉ. सुनीता वर्मा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज के इस यह आत्मीय और भावनात्मक आयोजन से मेरी आर्ट गैलरी को आप सभी वरिष्ठजनों का आशीर्वाद मिल गया है। इसके बाद प्रो. सुरेश देशमुख ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दाऊ ने छत्तीसगढ़ की लोककला को जन-जन तक पहुंचाने के साथ समाज में व्याप्त भेद-भाव की रूढ़ परंपराओं में बदलाव लाने का दायित्व बखूबी निभाया है। उस दौर के साथी कलाकार चूंकि एक के बाद एक साथ छोड़ते चले जा रहे हैं, उन कलाकारों की स्मृतियों और अनुभवों को संरक्षित करें जिन्होंने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को संजोया और गढ़ा है।

ज्योतिष

इन मूलांकों के विवाह में आ रही बाधाएं होंगी दूर, पढ़ें अंक ज्योतिषफल

अंक ज्योतिष में व्यक्ति के भविष्य का आकलन मुख्य रूप से उसके मूलांक के आधार पर किया जा सकता है, जो जन्म तिथि से जाना जाता है। अंकशास्त्र, सामान्य तौर पर किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख पर होने वाली संख्याओं के कुल योग का अध्ययन करता है। इसमें कुल मूलांक 1 से लेकर 9 तक होता है। सभी अंक किसी न किसी ग्रह का प्रतिनिधित्व करते हैं। और इनसे ही मूलांक और भाग्यांक की गणना करके दैनिक अंक ज्योतिष भविष्यफल, साप्ताहिक अंकज्योतिष भविष्यफल, मासिक अंकज्योतिष भविष्यफल और वार्षिक अंकज्योतिष भविष्यफल के साथ ही आपके जीवन से जुड़ी तमाम घटनाओं के बारे में यहां हम आपको जानकारी देते हैं जिससे आपका जीवन सुखमय और समृद्ध बन सके।

उदाहरण के लिए समझिए यदि किसी व्यक्ति का जन्म 23 अप्रैल को हुआ है तो उसकी जन्म तारीख के अंकों का योग 2+3=5 आता है। यानि 5 उस व्यक्ति का मूलांक कहा जाएगा। अगर किसी की जन्मतिथि दो अंकों यानी 11 है तो उसका मूलांक 1+1= 2 होगा। वहीं जन्म तिथि, जन्म माह और जन्म वर्ष का कुल योग भाग्यांक कहलाता है। जैसे अगर किसी का जन्म 22-04-1996 को हुआ है तो इन सभी अंकों के योग को भाग्यांक कहा जाता है। 2+2+0+4+1+9+9+6=33=6 यानी उसका भाग्यांक 6 है।

इस अंक ज्योतिष को पढ़कर आप अपनी दैनिक योजनाओं को सफल बनाने में कामयाब रहेंगे। जैसे दैनिक अंक ज्योतिष आपके मूलांक के आधार पर आपको यह बताएगा कि आज के दिन आपके सितारे आपके अनुकूल हैं या नहीं। आज आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है या फिर किस तरह के अवसर आपको प्राप्त हो सकते हैं

अंक 1 : आज का दिन नए बदलावों से भरा रहेगा और आपके काम का तनाव भी कम होगा। अतीत का कोई अवशेष आपके सामने आ सकता है। समय नए काम को प्रारंभ करने के लिए सामान्य रहेगा। धैर्यवान बने रहें।
शुभ अंक-5, शुभ रंग- हरा
अंक 2 : आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। निवेश से अच्छा लाभ मिलने से कोई वाहन या वस्तु खरीदेंगे। अपने समय और ऊर्जा दोनों का सही उपयोग आप करने में सफल बनेंगे। हालांकि, अपने धैर्य को सही कामों के लिए बचा के रखें।
शुभ अंक- 22,शुभ रंग- ग्रे
अंक 3 : प्रेम जीवन में सुधार महसूस करेंगे। लेकिन संबंधियों से अप्रिय समाचार प्राप्ति के योग। काम को लेकर यात्रा पर जाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। किसी मनचाहे कॉलेज में दाखिला मिल सकता है।
शुभ अंक- 15, शुभ रंग- पीला
अंक 4 : विवाह के मार्ग में आ रही बाधाएं दूर होंगी। इस दौरान कोई पुरानी मित्र आपके जीवन में वापस आ सकती हैं। लेकिन घर और बाहर के कामों में तालमेल बैठाने में परेशानियां आएंगी।
शुभ अंक- 22, शुभ रंग- ग्रे
अंक 5 : कॅरियर को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे। हालांकि, अपने व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर ध्यान देना इस समय ज्यादा उचित होगा। आप अपने मन की बात दोस्त से साझा करेंगे।
शुभ अंक- 27, शुभ रंग- क्रीम
अंक 6 : व्यापार में मंदी तनाव का कारण बन सकती हैं। आपके रिश्ते पहले से मजबूत होंगे। घर वालों का साथ मिलेगा। अचानक बड़े खर्चे सामने आ सकते हैं। आपको वरिष्ठों और सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखने की आवश्यकता होगी।
शुभ अंक-12, शुभ रंग- हरा
अंक 7 : छात्रों को किसी ट्रिप पर जाने का अवसर मिल सकता है। आपको अपने पुराने परिचितों से मिलने का मौका भी मिल सकता है। लेकिन, ध्यान रखें कार्यस्थल पर कामों में लापरवाही न करें अन्यथा प्रमोशन प्रभावित हो सकता है।
शुभ अंक – 42, शुभ रंग - गोल्डन
अंक 8 : दिन की शुरुआत शुभ समाचार से होगी, जिससे खुशी का अनुभव होगा। नई नौकरी के लिए अगर अप्लाई किया था, तो अच्छा अपडेट मिल सकता है। विदेशी व्यापार से जुड़े लाभ के अवसर लाएगा।
शुभ अंक- 7, शुभ रंग- गुलाबी
अंक 9 : कार्यस्थल पर अपनी ऊर्जा का सही उपयोग करें। मूलांक 9 के लोग अति उत्साह में जल्दबाजी या क्रोध से बचें। यह बदलाव रिश्तों की मधुरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
शुभ अंक- 4, शुभ रंग- केसरिया

आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है

आलस और थकान ने बजा दी है बैंड? कहीं ये क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम तो नहीं, जानें लक्षण

अक्सर ऐसा होता है कि कुछ लोगों के शरीर में बेवजह हमेशा आलस और थकान बनी रहती है। ऐसा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। आमतौर पर इसके पीछे शरीर की कुछ आंतरिक बीमारी हो सकती है। लेकिन, अगर आप स्वस्थ हैं और पूरी नींद भी ले रहे हैं, इसके बावजूद भी शरीर में थकान बनी रहती है तो ये क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का संकेत हो सकता है। इस बीमारी का सबसे बड़ा लक्षण यह है कि आपको लंबे समय से लगातार अत्यधिक थकान रहती है, जो आराम करने के बाद भी दूर नहीं होती। यह एक जटिल और दीर्घकालिक बीमारी है। यह एक ऐसी थकान है जो आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी में न केवल शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है, बल्कि मरीज को शारीरिक या मानसिक मेहनत के बाद थकान का स्तर अचानक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, जिसे पोस्ट-एग्जर्शनल मैलेज कहते हैं।

याददाश्त और एकाग्रता की समस्या

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का एक बड़ा लक्षण है 'ब्रेन फॉग'। इसमें मरीजों की याददाश्त और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बहुत कम हो जाती है। उन्हें कोई भी बात याद रखने या किसी एक काम पर फोकस करने में बहुत मुश्किल आती है। इस वजह से उनका दफ्तर का काम और रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। यह सिर्फ थकान नहीं है, बल्कि मानसिक क्षमता पर सीधा असर डालती है, जिससे व्यक्ति हमेशा उलझन में महसूस करता है।

वायरल जैसे दिखने वाले लक्षण

थकान के साथ-साथ, क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम के मरीजों को अक्सर बिना किसी खास वजह के गले में दर्द महसूस होता है। उन्हें गर्दन या बगल में लिम्फ नोड्स (गांठों) में दर्द और बार-बार सिरदर्द की शिकायत भी रहती है। ये सभी लक्षण किसी आम वायरल संक्रमण की तरह लगते हैं, लेकिन ये लंबे समय तक बने रहते हैं।

इस बीमारी का कैसे पता चलता है?

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का पता लगाना आसान नहीं होता, क्योंकि इसके लक्षण डिप्रेशन या थायरॉयड जैसी कई अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते हैं। डॉक्टर इसका निदान तभी करते हैं जब व्यक्ति को छह महीने या उससे अधिक समय तक लगातार और गंभीर थकान बनी रहे, और सभी अन्य संभावित बीमारियों की जांच करके उन्हें खारिज कर दिया जाए। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसके बाद ही क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम की पुष्टि होती है।

क्या करें?

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का कोई एक जादुई इलाज उपलब्ध नहीं है। इसके प्रबंधन के लिए सबसे जरूरी है जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना। ऐसे मरीजों को पर्याप्त और गहरी नींद लेनी चाहिए, साथ ही तनाव कम करने के तरीके सीखने चाहिए। शारीरिक गतिविधि को भी अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से बढ़ाना जरूरी है। इन सब के अलावा भी अगर दर्द बना रहे तो डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

हर महिला को पता होने चाहिए मैमोग्राम और ब्रेस्ट पेन से जुड़े इन मिथकों की सच्चाई

हर साल अक्टूबर माह में ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ 2025 मनाया जाता है। यह खास दिन एक ग्लोबल हेल्थ केम्पैन है, जो महिलाओं के बीच ब्रेस्ट कैंसर से जुड़ी अवेयरनेस बढ़ाने, शुरुआती चेकअप को बढ़ावा देने, और ब्रेस्ट कैंसर से प्रभावित लोगों को सपोर्ट देने के लिए मनाया जाता है। इतना ही नहीं, यह एक खास दिन लोगों को ब्रेस्ट कैंसर के लिए एजुकेट करने और हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। बात दें, इस दिन को मनाने के लिए हर साल एक नई थीम भी रखी जाती है। बात अगर इस साल की थीम की करें तो, इस साल की थीम 'मेरा कारण' है। बहुत कम महिलाएं इस बात को जानती हैं कि ज्यादातर मामलों में, करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा बार, स्तनों में दर्द का कारण कैंसर नहीं होता है। ऐसा दर्द ज्यादातर इंफेक्शन (फोड़ा या पस बनने) की वजह से, हार्मोनल

मैमोग्राफी से जुड़े मिथक और उनकी सच्चाई

मिथक- मैमोग्राफी में इस्तेमाल होने वाली रेडिएशन की मात्रा अधिक
सच्चाई- यह एक आम मिथक है कि मैमोग्राफी में इस्तेमाल होने वाली रेडिएशन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। जबकि हकीकत में मैमोग्राम में मिलने वाली रेडिएशन की मात्रा बहुत कम होती है, जो प्राकृतिक परिवेश से मिलने वाले रेडिएशन या सामान्य एक्स-रे से भी कम है, और कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लाभ इस न्यूनतम जोखिम से कहीं ज्यादा हैं, इसलिए मैमोग्राफी में रेडिएशन का डर नहीं होना चाहिए।
मिथक- क्या मैमोग्राफी दर्दनाक होती है।
सच्चाई- मैमोग्राफी ज्यादा दर्दनाक नहीं होती है, लेकिन इमेजिंग के दौरान दबाव पड़ने से हल्का असहज महसूस हो सकता है। आम तौर पर सलाह दी जाती है कि पीरियड्स के एक हफ्ते बाद मैमोग्राफी करवाई जाए, जब ब्रेस्ट सबसे कम टाइट और कोमल होते हैं। अगर ब्रेस्ट में पहले से दर्द या टेंडरनेस है, तो जरूरत न हो तो उस समय टेस्ट टाल देना बेहतर होता है।
मिथक- मैमोग्राफी के लिए सही उम्र 20 के बाद
सच्चाई- मैमोग्राफी की सलाह डॉक्टर आम तौर पर 40 या 45 साल की उम्र के बाद ही देते हैं। इसके पीछे वजह यह है कि कम उम्र में महिलाओं के ब्रेस्ट ज्यादा डेंस होते हैं यानी उनमें दूध बनाने वाले टिश्यू ज्यादा होते हैं। मेनोपॉज के करीब या स्तनपान के बाद ये टिश्यू धीरे-धीरे कम हो जाते हैं और उनकी जगह फैट ले लेता है, जिससे मैमोग्राफी ज्यादा असरदार हो जाती है।
मिथक- डेंस ब्रेस्ट में मैमोग्राफी की जाए तो उसका फायदा होता है।
सच्चाई- अगर बहुत जल्दी, यानी डेंस ब्रेस्ट में मैमोग्राफी की जाए तो उसका फायदा कम होता है। इसलिए महिलाओं को अकसर 45 साल के आसपास से स्क्रीनिंग शुरू करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, जिन महिलाओं को रिस्क ज्यादा है, वो 40 की उम्र से भी शुरू कर सकती हैं।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग तीन स्टेप्स में होती है

-महिला द्वारा खुद का ब्रेस्ट एग्जामिनेशन
-डॉक्टर द्वारा क्लीनिकल एग्जामिनेशन
-मैमोग्राफी के जरिए रेडियोलॉजिकल स्क्रीनिंग

सलाह

अगर महिला से कुछ मिस हो जाए, तो डॉक्टर पकड़ सकते हैं, और अगर दोनों से भी छूट जाए, तो मैमोग्राफी शुरुआती (नॉन-पैलपेबल) स्टेज पर पकड़ सकती है। यही असली फायदा है जब इसे एक नियमित और लगातार चलने वाली स्क्रीनिंग के रूप में किया जाए, न कि सिर्फ एक बार के टेस्ट की तरह।

ज्यादा प्रोटीन डायट कम उम्र में दे रही हार्ट अटैक को न्योता

आजकल हार्ट अटैक आना काफी नॉर्मल हो चुका है। कम उम्र में ही लोगों को दिल का दौरा पड़ रहा है और इसका कारण आजकल का खान-पान हो सकता है। जंक, प्रोसेस्ड फूड या ज्यादा तैलीय खाना दिल की सेहत को बिगाड़ सकता है। अब कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कि आखिर क्यों लोगों को 35 साल की उम्र में ही दिल का दौरा पड़ रहा है। इसके पीछे का बड़ा कारण क्या है, चलिए जानते हैं।

डॉक्टर की सलाह : कार्डियोलॉजिस्ट व एमडी डॉक्टर दमित्रि यारानोव का कहना है कि आजकल की डायट ही दिल की सेहत की दुश्मन बनी हुई है। लोग बॉडी बनाने या फिट रहने के लिए हाई प्रोटीन डायट लेते हैं। यही सबसे बड़ा कारण है।

हाई प्रोटीन डायट : बॉडी को फिट रखने और मसल्स गेन करने के चक्कर में ज्यादा लोग हाई प्रोटीन युक्त खाना खाते हैं। बल्कि कुछ लोग प्रोटीन शेक या पाउडर भी पीते हैं। ऐसे लोगों को हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा होता है। प्रोटीन शरीर के लिए अच्छा है लेकिन ज्यादा लेने से दिल पर इसका असर पड़ता है। ऐसे में दिल काम करना बंद करने लगता है और नसें खिंच जाती है।

मांस-मछली : प्रोटीन की बात करें तो ये सबसे ज्यादा मीट, मछली, चिकन में पाया जाता है। जो लोग भारी मात्रा में नॉन-वेज खाते हैं, उन्हें भी कम उम्र में हार्ट अटैक होने का खतरा रहता है। डॉक्टर के अनुसार, अगर आप मीट खाते हैं तो उसे कम मात्रा में ही खाएं। ज्यादा प्रोटीन लेना अच्छा नहीं है।

लक्षण : कार्डियोलॉजिस्ट का कहना है कि ज्यादा प्रोटीन का सेवन आपके शरीर को फिट रखता है और कोई दिक्कत नहीं लगती। ऐसे में हार्ट अटैक होने से पहले कोई सिग्नल भी नहीं मिलता। लेकिन अचानक से टाइम बॉम्ब की तरह हार्ट ब्लास्ट हो जाता है।

क्या करें : डॉक्टर का कहना है कि मीट के साथ आप हरी सब्जियां भी खूब खाएं। हेल्दी रहने के लिए एक्सरसाइज करें। अगर आपकी मसल्स या एब्स बने हैं, इसका ये मतलब नहीं है आप पूरी तरह से हेल्दी है। ऐसे में जरूरी है कि अपना हेल्थ चेकअप भी करवाएं। इससे आप किसी बड़ी बीमारी से दूर रह सकते हैं।

सर्दियों में दवा का काम करता है लहसुन इस तरह सेवन करने से मिलेंगे फायदें

सर्दियों के मौसम में खांसी-जुकाम, जोड़ों का दर्द और इम्यूनिटी कमजोर होने की समस्या कॉमन हो जाती है। कई लोग इन परेशानियों से बचने के लिए दवाओं का सहारा लेते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो सर्दियों में लहसुन औषधि की तरह काम करता है। लहसुन शरीर को अंदर से मजबूत करता है और तमाम परेशानियों से निजात दिलाता है। अलीगढ़ आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सरोज गौतम से इस बारे में जरूरी बातें जान लेते हैं। लहसुन में सल्फर कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जो औषधि का काम करते हैं। इनमें से एक कंपाउंड एलिसिन होता है, जो कई समस्याओं से राहत दिलाता है। लहसुन में विटामिन बी6, विटामिन सी, मैंगनीज, सेलेनियम और फाइबर जैसे तत्व होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद में लहसुन को प्राकृतिक एंटीबायोटिक कहा गया है। ठंड के मौसम में लहसुन का सेवन सर्दी-जुकाम और खांसी में बेहद असरदार माना जाता है। लहसुन में मौजूद एलिसिन शरीर में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ता है। अगर सुबह खाली पेट एक या दो लहसुन की कच्ची कली चबाकर खाई जाए या इसे दूध में उबालकर पिया जाए, तो इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और ठंड से बचाव होता है।

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है : लहसुन का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। यह शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने और संक्रमण से बचाने में मदद करता है। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उनके लिए लहसुन सर्दियों का सबसे असरदार घरेलू उपाय है। लहसुन कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है। यह रक्त प्रवाह को ठीक बनाए रखता है और धमनियों में जमे फैट को कम करने में सहायक होता है। डॉक्टरों के अनुसार, हर दिन दो कली लहसुन का सेवन दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम कर सकता है। सर्दियों में अक्सर लोगों को पेट फूलना, कब्ज या पाचन संबंधी परेशानी होती है। लहसुन में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण आंतों को स्वस्थ रखते हैं और पाचन में सुधार करते हैं। रात को एक गिलास गुनगुने पानी के साथ लहसुन की एक कली खाने से पेट साफ रहता है।

कार्नर न्यूज

न केवल हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है, बल्कि इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है

विटामिन डी के लिए धूप लेने का सही तरीका क्या है? अच्छी सेहत के लिए आप भी जान लीजिए ये बात

आमतौर पर माना जाता है कि भारत में सालभर अच्छी धूप रहती है, इसलिए यहां विटामिन डी की कमी नहीं होनी चाहिए। लेकिन हकीकत इसके विपरीत है, हमारे देश में भी बहुत से लोगों में 'विटामिन डी' की कमी पाई जाती है। हमारे देश में विटामिन डी की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है, जिसे अक्सर 'सनशाइन विटामिन' कहा जाता है। यह कमी इसलिए होती है, क्योंकि लोग धूप लेने का सही समय और वैज्ञानिक तरीका नहीं जानते। विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जो न केवल हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है, बल्कि इम्यूनिटी को बढ़ाता है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। यह विटामिन हमारी त्वचा में मौजूद कोलेस्ट्रॉल से तब बनता है जब वह सूर्य की अल्ट्रावायलेट-बी किरणों के संपर्क में आती है।

धूप लेने का सही समय

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार धूप से विटामिन डी पाने का सबसे अच्छा समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक का होता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस दौरान सूर्य की रोशनी में यूवीबी किरणें सबसे मजबूत होती हैं। यही किरणें आपकी त्वचा को विटामिन डी बनाने में मदद करती हैं। लोग सोचते हैं कि सुबह की हल्की धूप बेहतर है, लेकिन वैज्ञानिक रूप से दोपहर से पहले वाली धूप ही विटामिन डी के लिए ज्यादा असरदार होती है, बशर्ते आप ज्यादा देर तक न बैठें।

त्वचा का रंग

यह समझना महत्वपूर्ण है कि जिन लोगों की त्वचा का रंग डार्क होता है, उन्हें हल्की त्वचा वालों की तुलना में विटामिन डी बनाने के लिए धूप में 3 से 5 गुना ज्यादा समय बिताना पड़ सकता है। अगर आप पर्याप्त धूप नहीं ले पाते हैं, तो मछली, अंडे का पीला भाग और फोर्टिफाइड दूध जैसे खाद्य पदार्थ खाएं। या फिर किसी डॉक्टर से सलाह लेकर विटामिन डी के सप्लीमेंट्स लेना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

धूप लेने का तरीका

विटामिन डी लेने के लिए आपको रोजाना कम से कम 15 से 30 मिनट तक धूप में बैठना चाहिए। जरूरी नहीं है कि आप पूरे कपड़े उतारकर धूप लें। बस आपके हाथ, पैर और चेहरा सीधे धूप के संपर्क में आने चाहिए। धूप में बैठने के बाद, जब आपकी अवधि पूरी हो जाए, तो छाया में आ जाएं या कपड़े से शरीर ढक लें। यह आसान तरीका शरीर में विटामिन डी की जरूरी मात्रा पूरी करने के लिए काफी है।

सनस्क्रीन से दूरी

धूप लेते समय सनस्क्रीन बिल्कुल न लगाएं। सनस्क्रीन एक कवच की तरह काम करती है, जो यूवीबी किरणों को रोक देती है। अगर आप सनस्क्रीन लगाते हैं, तो यह 90% से ज्यादा विटामिन डी बनने की प्रक्रिया को रूक जाती है। इसलिए पहले 15-30 मिनट बिना सनस्क्रीन के धूप लें। इसके बाद ही अपनी त्वचा को हानिकारक किरणों से बचाने के लिए सनस्क्रीन का उपयोग करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बीमारी के खुलासे के बाद किम ने मनाया जन्मदिन, हॉट अवतार से मचाई सनसनी

हॉलीवुड की मशहूर टीवी पर्सनालिटी और बिजनेसवुमन किम कार्दशियन ने हाल ही में एक ऐसा खुलासा किया है जिसने उनके फैंस को गहरी चिंता में डाल दिया है। रियलिटी शो 'द कार्दशियन्स' के सातवें सीजन के प्रीमियर एपिसोड में किम ने बताया कि वह दिमाग की एक गंभीर बीमारी ब्रेन एन्यूरिज्म से जूझ रही हैं। 45 साल की किम ने बताया कि डॉक्टरों ने इस बीमारी के पीछे तनाव को प्रमुख कारण बताया है। इसी बीच उन्होंने 21 अक्टूबर को हुए अपने बर्थडे बैश की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका हॉट अवतार देखने को मिल रहा है। अपने ग्लैमरस अंदाज और बिजनेस ब्रांड्स के लिए किम कार्दशियन दुनियाभर में जानी जाती हैं। फिलहाल वो अपने जीवन के एक मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, यह बीमारी बेहद खतरनाक हो सकती है, खासकर तब जब मरीज को समय पर इसका पता न चले। ब्रेन एन्यूरिज्म ऐसी स्थिति होती है जिसमें दिमाग की किसी धमनी की दीवार कमजोर हो जाती है और वह धीरे-धीरे फूलने लगती है। जैसे किसी गुब्बारे में हवा भरने पर उसका एक हिस्सा पतला और कमजोर हो जाता है, ठीक उसी तरह दिमाग की यह धमनी भी किसी समय फट सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। किम कार्दशियन ने साल 2022 में अपने पति और रैपर कान्ये वेस्ट से तलाक लिया था।

टॉलीवुड

'रश्मिका एकमात्र अभिनेत्री जो कितने भी घंटे काम करती हैं'

दीपिका पादुकोण के 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर होने के बाद, आठ घंटे काम करने की शिफ्ट को लेकर एक नई बहस छिड़ी हुई है। अब काम के घंटों की शिफ्ट के मुद्दे पर रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' के प्रोड्यूसर एसकेएन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एसकेएन ने रश्मिका की तारीफ करते हुए उन्हें एकमात्र ऐसी अभिनेत्री बताया जिस पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' से जुड़े एक इवेंट में बोलते हुए निर्माता एसकेएन ने काम के घंटों की मांग न करने के लिए रश्मिका मंदाना की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने दीपिका पादुकोण के मुद्दे जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब इस बात पर बहस चल रही है कि कितने घंटे काम करना चाहिए, पूरे भारत में केवल एक ही अभिनेत्री है जो जितने घंटे काम करने की जरूरत हो, करने को तैयार है। रश्मिका काम को घंटों के लिहाज से नहीं, बल्कि प्यार से देखती हैं। उनकी प्रतिबद्धता समय की पाबंदी पर है, न कि किसी सीमा पर। यही वजह है कि सभी को लगता है कि रश्मिका परिवार का हिस्सा हैं। इस दौरान रश्मिका अपनी तारीफ सुनकर बगल में खड़ी मुस्कुराती रहीं। आठ घंटे काम की शिफ्ट को लेकर बहस तब छिड़ी जब दीपिका संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित 'स्पिरिट' से अलग हो गईं। इसके बाद कहा गया कि रश्मिका के फिल्म से बाहर होने की वजह उनके आठ घंटे काम करने की मांग करना था। इसको लेकर दीपिका और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के बीच थोड़ी तनातनी भी देखने को मिली थी। इसके बाद हाल ही में इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए दीपिका ने एक इंटरव्यू में कहा कि एक महिला होने के नाते, अगर यह दबाव डालने जैसा लग रहा है, तो ऐसा ही हो। इंडस्ट्री के कई प्रमुख पुरुष सितारे कई साल से बिना किसी चर्चाओं के 8 घंटे की शिफ्ट में काम कर रहे हैं।

भोजपुरी

अस्तचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचीं अक्षरा ने गाए छठ गीत

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह छठ का त्योहार पारंपरिक तरीके से मना रही हैं। उन्होंने छठ व्रत किया है। नहाय खाय और खरना के बाद इस त्योहार का सोमवार को तीसरा दिन था, जिसमें डूबते सूरज की आराधना की जाती है। अस्तचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए अक्षरा पटना के दीघा घाट पहुंची हैं। यहां उन्होंने लोगों के साथ छठ के गीत गाए। साथ ही इस महापर्व का महत्व भी बताया। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह पटना के दीघा घाट पर सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचीं। उन्होंने यहां मौजूद अन्य व्रतियों और श्रद्धालुओं के साथ छठ गीत गाए। लाल रंग की साड़ी पहने अक्षरा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वे पारंपरिक तरीके से पूरे विधि-विधान से इस महापर्व को मना रही हैं। अक्षरा का कहना है कि यह त्योहार हर बिहारवासी के रोम-रोम में बसा है। अक्षरा ने छठ के त्योहार के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा, 'तीन दिन कैसे निकल गए पता नहीं चला। बिल्कुल भी थकान नहीं हुई। आज पहला अर्घ्य है। हमारे बिहार में इस पर्व की तो मान्यता है ही, लेकिन हम सबके रोम-रोम में छठ पूजा बसती है। बचपन से इसे देखते हुए बड़े हुए हैं हम। छठ पूजा को बिहारियों का इमोशन कहा जाता है। छठ व्रत मेरा सफल होते नजर आ रहा है। समस्त भारत वर्ष के लिए कामना करना चाहती हूं। हर किसी के जीवन में बहुत सारी खुशियां और उन्नति आए'। अक्षरा सिंह ने व्यवस्थाओं को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी व्यवस्था है। बिहार में छठ पूजा पर यूं भी सब एक-दूसरे को बहुत सहयोग करते हैं। प्रशासन की तरफ से इस बार बहुत अच्छी व्यस्था है। एक कमी आप नहीं निकाल पाएंगे'।

टीवी की खूबसूरत अदाकारा रीम समीर अपने फैशन सेंस के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक खूबसूरत रेड साड़ी लुक में सबका दिल जीत लिया। उनका यह पारंपरिक अंदाज ना केवल एलिगेंट दिखा, बल्कि मॉडर्न स्टाइल का भी परफेक्ट टच लिए हुए था। सिल्क टेक्सचर की इस साड़ी में रीम ने अपनी नेचुरल ब्यूटी को और निखारा, वहीं मिनिमल ज्वेलरी और न्यूड मेकअप ने लुक में चार चांद लगा दिए।

रेड साड़ी में रीम समीर का रॉयल अंदाज

लाइफ स्टाइल

चेहरे पर कॉफी लगाते हैं तो जान लें इसके बड़े नुकसान

चेहरे पर कॉफी लगाना आजकल एक ब्यूटी ट्रेंड बन चुका है। सोशल मीडिया पर कई लोग इसे स्क्रब या फेस पैक के रूप में इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। माना जाता है कि कॉफी स्किन को एक्सफोलिएट करती है, ग्लो देती है और डार्क सर्कल्स को कम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉफी का गलत इस्तेमाल आपकी त्वचा को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान भी पहुंचा सकता है? इसलिए कॉफी लगाने से पहले इसके दुष्प्रभावों को जानना बहुत जरूरी है, ताकि आपकी स्किन हेल्दी और सुरक्षित बनी रहे। तो अगर आप भी चेहरे पर कॉफी का इस्तेमाल करते हैं तो ये लेख आपके काम का है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कॉफी के कुछ नुकसानों के बारे में, जो आपके चेहरे पर प्रभाव डाल सकते हैं।

त्वचा में रूखापन : कॉफी में मौजूद कैफीन स्किन की नमी को सोख लेता है। ऐसे में अगर आप बार-बार कॉफी फेस पैक या स्क्रब लगाते हैं तो त्वचा अपनी नेचुरल मॉइस्चर खो देती है और खिंचाव महसूस होने लगता है। खासकर ठंड के मौसम में इसका असर ज्यादा दिखाई देता है।

एलर्जी और जलन : संवेदनशील त्वचा वालों के लिए कॉफी नुकसानदायक साबित हो सकती है। इसमें मौजूद एसिडिक तत्वों से खुजली, जलन या लाल दाने जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

अगर इससे आपको कोई दिक्कत नहीं हो रही है, तभी कॉफी को चेहरे पर लगाएं।

पिगमेंटेशन बढ़ना : कॉफी स्क्रब करते समय अगर आप ज्यादा रगड़ते हैं तो त्वचा पर काले धब्बे और पिगमेंटेशन बढ़ सकता है। इससे स्किन टोन असमान हो जाता है। इसलिए, जितना हो सके कॉफी के इस्तेमाल से बचें।

मुंहासे और एक्ने : कॉफी पाउडर के कण कभी-कभी स्किन के पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं, जिससे ऑयल और डस्ट जमा हो जाती है और एक्ने की समस्या बढ़ जाती है। अगर आप इन दिक्कतों से बचना चाहते हैं तो कॉफी के इस्तेमाल से दूर रहें।

कठोर स्क्रबिंग से नुकसान

कॉफी का टेक्सचर थोड़ा हार्ड होता है। अगर इसे जोर से रगड़ा जाए तो स्किन की ऊपरी परत को नुकसान पहुंच सकता है जिससे जलन या छोटे कट्स हो सकते हैं। इसलिए कॉफी के स्क्रब का इस्तेमाल सोच-समझ के करें।

डॉक्टर की सलाह जरूरी

किसी भी नए कॉफी पैक या **DIY** स्क्रब को लगाने से पहले डर्मेटोलॉजिस्ट की सलाह लेना बेहतर होता है। हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है, इसलिए प्रोडक्ट का असर भी अलग-अलग हो सकता है।

एलीगेंस और कम्फर्ट का संगम, ऐसे तैयार होता है मॉडर्न इंडियन वियर का नया रूप

फैशन

आज के समय में फैशन सिर्फ स्टाइल का मामला नहीं रहा, बल्कि कम्फर्ट भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गया है। मॉडर्न इंडियन वियर इसी बदलाव का प्रतीक है। दरअसल, पारंपरिक भारतीय पोशाकों में आधुनिक टच डालकर अब पहनने वालों को आराम के साथ-साथ एलीगेंस भी मिलता है। चाहे ऑफिस हो, शादी समारोह या कैजुअल आउटिंग, अब लोग ऐसे आउटफिट्स पसंद कर रहे हैं जो क्लासी दिखें और पहनने में आसान हों।

मॉडर्न इंडियन वियर में हल्के फैब्रिक्स, स्मार्ट कट्स और फैशन-सेंस के साथ ट्रेंडी डिजाइन शामिल हैं। कुर्ता-पैंट, एथनिक ड्रेस, शरारा, लांग कुर्ता या इन्डो-वेस्टर्न फ्यूजन, ये सब स्टाइल और आराम का मेल दिखाते हैं। फैशन ब्रांड्स अब ऐसे कलेक्शन पर फोकस कर रहे हैं जो पारंपरिक भारतीय विरासत को आधुनिक लाइफस्टाइल के साथ जोड़ते हैं।

फैब्रिक का चुनाव : फैब्रिक किसी भी आउटफिट की आत्मा होता है। कॉटन, लिनन और जॉर्जेट जैसे हल्के फैब्रिक्स न केवल आरामदायक होते हैं बल्कि गर्मियों और ऑफिस दोनों के लिए परफेक्ट होते हैं। कॉटन और लिनन स्किन को सांस लेने देते हैं और लंबे समय तक पहनने पर भी आरामदायक रहते हैं। जॉर्जेट फैब्रिक थोड़ी फ्लोइंग टेक्सचर देता है जिससे कपड़ा दिखने में लाइट और एलीगेंट लगता है। इसलिए आजकल ऐसे ही फैब्रिक ट्रेंड में हैं।

कपड़े की कटिंग : कपड़े की कटिंग स्टाइल और कम्फर्ट को जोड़ती है। स्लिम कट आउटफिट्स फिगर को शार्प और टोंड दिखाते हैं। ए-लाइन और फ्लेयर्ड कट्स ऐसे डिजाइन हैं जो मूवमेंट में आसानी देते हैं और कैजुअल या फेस्टिवल वियर दोनों में खूबसूरत लगते हैं। ऐसे में अब कपड़ों की कटिंग के समय इसका ध्यान भी रखा जाता है।

कलर पैलेट का सही होना है जरूरी : आज के समय में वो चमक-दमक वाले रंगों को पहनने का ट्रेंड नहीं है। अब पेस्टल और म्यूट कलर ऑफिस और पार्टी दोनों के लिए परफेक्ट हैं। ये रंग स्टाइलिश दिखते हैं और फेस्टिवल या डेली वियर के लिए उपयुक्त हैं।

इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन : ये अब फैशन का नया ट्रेंड है। कुर्ता को जींस या पैंट के साथ पहनकर कैजुअल और ट्रेंडी लुक मिल सकता है। शरारा या लांग कुर्ता के साथ स्ट्रेट पैंट भी इंडो-वेस्टर्न स्टाइल का हिस्सा हैं। ये काफी कंफर्टेबल कपड़े रहते हैं।

एक्सेसरीज : हर तरह के मॉर्डन आउटफिट को परफेक्ट बनाने के लिए सही एक्सेसरीज जरूरी हैं। एलीगेंट ईयररिंग्स, चूड़ियां, बेल्ट्स और हल्के नेकपीस पहनकर लुक को कंप्लीट किया जा सकता है।

छठ पूजा पर नई-नवेली दुल्हन सी सजीं मनीषा, लुक्स की हो रही जमकर तारीफें

'बिग बॉस ओटीटी 2', 'झलक दिखला जा' जैसे कई रियलिटी शोज में धूम मचाने वाली मनीषा रानी का अंदाज फैंस को खूब पसंद आता है। हाल ही में मनीषा ने अपने इंस्टाग्राम पर छठ पूजा से जुड़ी कुछ तस्वीरें साझा की, जहां फैंस को उनका लुक काफी पसंद आया है। हरी साड़ी और गोल्ड ज्वैलरी में मनीषा किसी नई-नवेली दुल्हन से कम नहीं लग रही थीं। उनके इस ट्रेडिशनल लुक की फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। आइए जानते हैं मनीषा के इस लुक से जुड़ी कुछ खास बातें।

पारंपरिक लुक में तैयार हुईं मनीषा : पिछली बार की तरह ही मनीषा ने इस बार भी एकदम पारंपरिक साड़ी पहनी है। ब्राइट हरे और ऑरेंज रंग की साड़ी पर गोल्डन वर्क बहुत ही सुंदर लग रहा है। ब्लाउज की स्लीव्स सेंटर ऑफ अट्रैक्शन हैं, जिनपर ढेर सारी एंब्रॉयडरी और पर्ल वर्क है। इस तरह की साड़ी बेस्ट है, अगर आप एकदम ट्रेडिशनल लुक में तैयार होना चाहती हैं। किसी त्योहार या पूजा के लिए बहुत ही बढ़िया लुक रहेगा।

टेंपल ज्वैलरी ने लगाए लुक में चार चांद

मनीषा के लुक में चार चांद लगाने का काम उनकी ज्वैलरी ने किया है। उन्होंने गोल्ड की ट्रेडिशनल टेंपल ज्वैलरी वियर की है, जो बहुत ही सुंदर लगती है। आप नोटिस करेंगी कि उनका नेकलेस उनकी साड़ी के साथ परफेक्टली मैच भी हो रहा है। मनीषा ने कानों में ट्रेडिशनल झुमकी वियर की हैं, जिसके साथ मांगटीका ने उनके लुक को और भी खास बना दिया है।

सिर्फ दस रुपए खर्च करके तैयार करें ये हेयर जेल, उलझे हुए बाल हो जाएंगे रेशम जैसे

अगर आपके बाल भी घुंघराले हैं या फिर हमेशा उलझे-उलझे रहते हैं तो अलसी के बीज आपके बेहद काम के हैं। दरअसल, अलसी के बीज न सिर्फ हेल्दी भोजन के लिए ही नहीं, बल्कि बालों की देखभाल में भी बेहद फायदेमंद होते हैं। ऐसे में बालों में अलसी के बीज से बने घरेलू हेयर जेल का इस्तेमाल करने से बाल मुलायम, चमकदार बन सकते हैं।

अलसी का जेल बनाने का सामान : इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ दो बड़े चम्मच अलसी की बीजों की और एक कप पानी की जरूरत पड़ेगी।

हेयर जेल बनाने की विधि : अलसी के बीजों से हेयर जेल बनाने के लिए सबसे पहले तो अलसी के बीज को पानी में 10–15

मिनट के लिए भिगो दें। कुछ देर बाद इसे गैस पर रखकर उबाल लें। उबालने से ये चिपचिपा सा होने लगेगा। जब बीज पानी में जेल जैसा हो जाए, तो इसे कुछ देर के लिए साइड में रख दें, ताकि ये ठंडा हो जाए। मिश्रण के ठंडा होने के बाद इसे मिक्सर में अच्छी तरह ब्लेंड करें। ब्लैंड करने के बाद एक सूती कपड़े में रखकर इसे छान लें। छानने के बाद जो चिपचिपा पदार्थ निकला है, वही अलसी का जेल है।

ऐसे करें उपयोग : इसका इस्तेमाल बेहद आसान है। इस जेल के इस्तेमाल के से पहले अपने बालों को धो लें। जब बाल हल्के गीले हों, तभी इसे अपने हाथों की मदद से इसे बालों के सिरों से लेकर स्कैल्प तक पर अप्लाई करें। बस बालों को अब ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद आपके बाल न तो उलझेंगे और न ही बेजान दिखेंगे।

एक्स्ट्रा टिप : आप चाहें तो खुशबू और ज्यादा फायदे के लिए इसमें लैवेंडर या रोजमेरी का एसेंशियल ऑयल भी मिला सकते हैं। इसकी वजह से आपके बालों में खुशबू भी आने लगेगी।

कार्नर न्यूज

आज के दौर की अदाकाराएं भी इस ट्रेंड को अपनाने से पीछे नहीं रहीं

लौट आया है ईयरचेन का फैशन, लेकिन पहनने से पहले ये बातें जरूर जान लें

जया प्रदा, श्री देवी, हेमा मालिनी जैसी खूबसूरत कलाकारों के लुक में अक्सर एक चीज आमतौर पर दिखती थी। वह थी, इयरचेन। जिसे वे कान से बांधकर चोटी में फंसाती थीं। यह अक्सर कई लेयर वाली हुआ करती थी और कमाल की नजर आती थीं। पिछले वेडिंग सीजन में चोटी ने खूब धूम मचाई, तो भला इयरचेन कैसे पीछे रह सकती थी। इस बार इयर चेन फैशन में टक्कर का मुकाबला लेकर आई है। आज के दौर की अदाकाराएं भी इस ट्रेंड को अपनाने से पीछे नहीं रहीं। कुछ दिनों पहले ही आलिया भट्ट ने इयर चेन वाले इयर रिंग का आपना लुक साझा किया था। उनके अलावा सोनम कपूर और शोभिता धूलिपला ने भी मिलता-जुलता लुक साझा किया था, जिसमें उन्होंने इयर चेन पहन रखी थी।

जानिए क्या है नया?

चलन में केवल इयर चेन ही नहीं है, बल्कि चेन वाली या चेन जैसी दिखने वाली इयररिंग भी खूब पसंद की जा रही हैं। खासतौर पर वे लोग इसे ज्यादा अपना रहे हैं, जिन्होंने कान में कई जगह छेद करवाएं हैं। आपको सुई-धागा वाली इयर रिंग तो याद ही होगी। यह कान में धागे की तरह पहनी जाती थी। कुछ समय से इसका चलन बंद नजर आ रहा था। पर अभी हाल ही में अदाकारा यामी गौतम अपनी पारंपरिक देह्लूर में नजर आईं। ये एक लंबी चेन जैसा झुमका होता है। इसके बाद कान में चेन खूब पसंद की जाने लगी।

एक जैसे, पर अलग-अलग

इयर चेन : यह वही पारंपरिक इयर चेन है, जिसे हम दशकों पहले देखा करते थे। हां, अब इसमें लेयर बढ़ गई हैं। खास बात यह है कि इस बार चलन में आई इयर चेन, इयर रिंग या झुमकों से ज्यादा भारी है और आपके पूरे लुक का जिम्मा अकेले उठा रही हैं। इन्हें खुले बालों या चोटी के साथ पहना जा रहा है, जो लाजवाब लुक दे रहा है।

थ्रेडर इयर रिंग : यह वही सुई-धागा है। पहले यह कान के आर-पार जाकर सीधा लटक जाता था और नीचे कोई जोड़ नहीं हुआ करता था, लेकिन इस बार के थ्रेडर में नीचे लूप बनता है। यानी इसका छोर देखना मुश्किल है। इस तरह के इयर रिंग लंबे होते हैं और अगर आपके कान में कई छेद हैं, तो आप एक से दूसरे तक चेन को ले जाकर लूप वाला डिजाइन बना सकती हैं।

चेन इयरकफ : इन दिनों इयरकफ भी चलन में हैं। आपको ऐसे इयरकफ नजर आने वाले हैं, जिनमें दो टॉप्स एक या दो चेन से जुड़े हैं। टॉप्स का एक हिस्सा आपको अपने कान के छेद में डालना होता है और दूसरा कान के ऊपरी हिस्से में दबाना होता है, जिससे बीच में चेन का लूप आ जाता है। इसके अलावा अगर आपने कान में छेद नहीं करवाया है, तब भी आप इयरकफ पहन सकती हैं।

मौके के हिसाब से करें चुनाव

हर मौके पर एक ही तरह से तैयार नहीं हुआ जा सकता है। अगर आप पारंपरिक तरीके से तैयार होना चाहती हैं, तो बेधड़क हेवी लुक वाली इयर चेन पहन सकती हैं, लेकिन इसमें इस बात का खयाल रखें कि आपकी इयर रिंग आपकी भारी-भरकम इयर चेन के लुक को खत्म न करें। कोशिश करें कि इयर रिंग छोटी हो। इसके अलावा ऐसी इयर चेन पहनते समय गले को खाली रखें और ध्यान रखें कि ब्लाउज का गला भी बहुत छोटा न हो। वहीं अगर आप फॉर्मल लुक में इयर चेन पहनना चाहती हैं, तो चेन ड्रॉप इयर रिंग या पुल थ्रू स्टाइल वाली इयर रिंग अपना सकती हैं।